



# BABA MASTNATH UNIVERSITY

Asthal Bohar, Rohtak-124021 (Haryana)  
(Unique Blend of Science and Spirituality)



Mahant Balaknath Ji Yogi  
Chancellor, BMU



150+ Acres Land

80+ Programmes

15000+ Students

5200+ Placed Student

65+ Yrs. In Education

25000+ Regi. Alumni

500+ Faculty

50+ Departments



1800+ Res. Paper Published



## ADMISSIONS OPEN 2024-25

Get upto **100%** Scholarship  
★★★

NEP 2020 Syllabus

Internship & Placement Support

Skill Enhancing Courses

### PROGRAMMES OFFERED

#### FACULTY OF ENGINEERING

- B.Tech.-Computer Science and Engg.
  - AIML
  - Data Science
  - Cyber Security
  - IOT & Blockchain
  - Comp. Animation & Gaming
- B.Tech.-Civil Engg.
  - Transportation Engg.
  - Structural Engg.
- B.Tech. (Mechanical Engg.)
- B.Tech. (Electronics & Comm. Engg.)
- M.Tech. (Computer Science and Engg.)
- M.Tech. (Civil Engg.)
  - Transportation Engg.
  - Structural Engg.

#### FACULTY OF HUMANITIES

- B.A. (Bachelor of Arts)
- B.A. (Bachelor of Arts) Hons. with Research
- B.A. (Bachelor of Arts) English (Hons.)
- B.A. J.M.C.
- B.A. J.M.C.- Hons. with Research
- B.Lib. & Info. Science
- Shastri
- M.A.-Hindi
- M.A.-English
- M.A.-History
- M.A.-Pol. Sc.
- M.A.-Economics
- M.A.-Education
- M.A.-Sociology
- M.A.-Pub. Admin.
- M.A.-Geography
- M.A.-J.M.C.
- M.A.-Sanskrit
- M. Lib. & Info. Science
- DIPLOMA
  - Leadership & Management
  - Guidance & Counselling
  - Early Childhood Care & Education

#### FACULTY OF PHARMACY

- D. Pharm.
- B.Pharm.
- M.Pharm.-(Pharmaceutics)
- M.Pharm.-(Pharmacology)

#### FACULTY OF AYURVEDA

BAMS -Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery

#### FACULTY OF PHYSIOTHERAPY

- BPT (Bachelor of Physiotherapy)
- B.Sc.-Medical Lab Technology
- B.Sc.-Ophthalmic Technology
- MPT-Sports
- MPT-Neurology
- MPT-Orthopaedics
- MPT-Cardiothoracic & Pulmonary Disorder

#### FACULTY OF SCIENCES

- B.Sc.-(Hons.) Agriculture
- B.Sc.-Mathematics
- B.Sc.-Hons. in Mathematics
- B.Sc.-Physics
- B.Sc.-Hons. in Physics
- B.Sc.-Chemistry
- B.Sc.-Hons. in Chemistry
- B.Sc.-Bio-Technology
- B.Sc.-Hons. in Bio-Technology
- B.Sc.-Home Science
- B.Sc.-Hons. in Home Science
- B.Sc.-Physical Sciences
- B.Sc.-Physical Sciences with Major Mathematics
- B.Sc.-Physical Sciences with Major Physics
- B.Sc.-Physical Sciences with Major Chemistry
- B.Sc.-Life Sciences
- B.Sc.-Life Sciences with Major Botany
- B.Sc.-Life Sciences with Major Zoology
- B.Sc.-Life Sciences with Major Chemistry
- M.Sc.-Physics
- M.Sc.-Chemistry
- M.Sc.-Botany
- M.Sc.-Zoology
- M.Sc.-Bio-Technology
- M.Sc.-Mathematics
- M.Sc.-Home Science

#### FACULTY OF MGT. AND COMM.

- |                            |                         |
|----------------------------|-------------------------|
| <b>BBA</b>                 | <b>B.Com</b>            |
| -Digital Marketing & Sales | -General                |
| -IT with AI-ML             | -Professional-CA Stream |
| -Marketing                 | -Professional-CS Stream |
| -HR Management             | -Hons. With Research    |
| -Finance                   | <b>M.Com.</b>           |
| -International Business    | <b>BCA</b>              |
| -Entrepreneurship          | -General                |
| -Hons. With Research       | -Data Science           |
| <b>MBA</b>                 | -AI & ML                |
| -IT with AI-ML             | -Graphics & Animation   |
| -Marketing                 | <b>MCA</b>              |
| -HR Management             | -General                |
| -Finance                   | -Data Science           |
| -International Business    | -AI & ML                |
| -Entrepreneurship          | -Graphics & Animation   |

#### Newly Introduced Programmes:-

- ▶ B.Sc. -(Hons.) Agriculture
- ▶ B.Sc. -Medical Lab Technology
- ▶ B.Sc. -Optometry

#### FACULTY OF LAW

- B.A. LL.B. - (5 Years Integrated Programme)
- LL.B. - (3 Years)
- LL.M. - (2 Years)

#### FACULTY OF NURSING

- \*ANM - (2 Years)
- \*GNM - (3 Years)
- Post Basic B.Sc. Nursing -(2 Years after GNM)

Ph.D.-Available in All Streams

#### WHY TO CHOOSE BMU

- ✓ Unique Blend of Science and Spirituality
- ✓ Quality Education at Affordable Fee
- ✓ Multi-disciplinary and Holistic Education
- ✓ Skill Development Programmes
- ✓ Research Projects in UG and PG Programs
- ✓ Innovation, Start-ups and Incubation Centre
- ✓ Indian Knowledge System Courses
- ✓ Office of International Student Affairs
- ✓ Youth Skilling and Competitive Examination Centre
- ✓ Training and Placement Facilities
- ✓ UNO Academic Impact Membership

#### SALIENT FEATURES

- » Wi-fi Campus
- » 24x7 Electricity
- » Well stocked Libraries
- » Well equipped Laboratories
- » Separate Hostel for Boys/Girls
- » Air-Conditioned Auditorium
- » NCC, NSS, & Youth Red Cross Units
- » Hospitals having modern Equipments
- » CCTV Enabled Safe & Secure Campus

Scan to visit website



खबर संक्षेप



बुपनिया बिजलीघर में लगाए पौधे

बहादुरगढ़। बुपनिया बिजलीघर में उपमंडल कार्यालय क्षेत्र में एसडीओ हेमंत जून की अगुवाई में पौधारोपण किया गया। इस मौके पर जेई अमित और कुलदीप के सहयोग और एचएसईबी सब डिविजन प्रधान हरिओम समेत अन्य कर्मचारियों ने 220 पौधे लगाए।

घर से लापता महिला का सुराग नहीं

कसोला। क्षेत्र के एक गांव से 26 वर्षीय महिला अचानक घर से लापता हो गई। पुलिस बयान में महिला के पति ने बताया कि उसने कुछ साल पहले कोर्ट में शादी की थी। वह मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है। इस समय कसोला क्षेत्र के एक गांव में किराए के मकान में रह रहा है। दोनों वह और उसकी पत्नी दोनों खुशी से रह रहे थे, परंतु 11 जुलाई को उसकी पत्नी बिना बताए घर से कहीं चली गई। काफी तलाश करने के बाद भी उसकी पत्नी का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद महिला की तलाश शुरू कर दी।

घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी

कुंड। नांगल जमालपुर में चोर रात को एक घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में मुनीराम ने बताया कि वह रात को अपनी बाइक घर के बाहर खड़ी करता है। 11 जुलाई को भी उसने बाइक घर के बाहर खड़ी करने के बाद लॉक कर दी थी। अगले दिन सुबह जब वह उठकर घर से बाहर निकला तो उसे बाइक गायब मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

महावीर नगर से नाबालिग लड़का घर से लापता

रेवाड़ी। आनंद नगर से नौवीं कक्षा में पढ़ने वाला एक नाबालिग लड़का घर से लापता हो गया। एमपी के अधिवासा निवासी शकुन देवी ने मॉडल टाउन थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि वह किराए के मकान में रह रही है। उसका बेटा 13 वर्षीय मोहित एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ता है। 12 जुलाई को वह बिना बताए घर से कहीं चला गया। उसके बाद उसने बेटे काफ़ी तलाश की। रशितेदारों और मिलने वालों से पूछताछ करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद बच्चे की तलाश शुरू कर दी।

फोर्देड़ी गांव से बिजली ट्रांसफार्मर चोरी

रेवाड़ी। फोर्देड़ी गांव से चोर एक 100 केवी क्षमता का बिजली ट्रांसफार्मर चोरी कर ले गए। पुलिस को दर्ज शिकायत में निगम के एसडीओ ने बताया कि उसके अधीन आने वाले जेई पोपसिंह ने उसे बताया अनिल और राकेश के निकलने पर बिजली सप्लाई के लिए लगा ट्रांसफार्मर चोरी हो गया है।

दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी ने लगाया रक्तदान

कैंप में 142 लोगों ने स्वेच्छा से किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

नगर परिषद चेयरपर्सन व पार्षदों का दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के अवसर पर चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी द्वारा शनिवार को रक्तदान कैंप का कोई शिविर लगाया दूसरा विकल्प गया। पूर्व नहीं : एसडीएम कर्मबीर राठी के कार्यालय पर लगे शिविर में रक्त का संचय रेडक्रॉस सोसाइटी की टीम द्वारा किया गया। कैंप में 142 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में एसडीएम परमजीत चहल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल के पुत्र संचित नांदल, जिलाध्यक्ष राजपाल जांघड़ा, पूर्व

सराहनीय : हरियाली बढ़ाने के लिए इकट्ठे किए जा रहे पौधे

गमले के रूप में इस्तेमाल किए जा रहे पार्क में पड़े वेस्ट गिलास, कप, पॉलीथिन

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय कार्य कर रहे क्लोन एंड ग्रीन ट्रस्ट के सदस्यों ने इलाके को हराभरा बनाने के लिए एक ओर बेहतरनी पहल शुरू की है। इसके तहत पार्कों व अन्य जगहों पर मौजूद नन्हे पौधों को गमलों में स्टोर किया जा रहा है। गमले बनाने में भी वेस्ट कप, गिलास, पॉलीथिन आदि का इस्तेमाल किया है। इन पौधों को इलाके में रोपित किया जाएगा।



बहादुरगढ़। ट्रस्ट सदस्यों द्वारा इकट्ठे किए जा रहे पौधे।

दरअसल, पार्कों या अन्य खुली जगहों पर बड़े पेड़ों के बीज झड़ने से आसपास नन्हे पौधे उग जाते हैं। देखरेख के अभाव में ये अधिकांश नन्हे पौधे कदमों तले कुचले जाते हैं या फिर मौसमी मार में ये दम तोड़ देते हैं। रोहताक, दिल्ली मार्ग पर नागरिक अस्पताल के पास स्थित लाल बहादुर शास्त्री पार्क में भी नीम के छोटे-छोटे सैकड़ों पौधे थे। क्लोन एंड ग्रीन ट्रस्ट के सदस्यों ने इन पौधों को बचाकर इन्हें सही जगह लगाने की योजना बनाई। इसके तहत शनिवार की सुबह पार्क में इन पौधों को गमलों में डालने की मुहिम चलाई गई। दिलचस्प बात ये कि प्लास्टिक गिलास, कप, पॉलीथिन आदि वेस्ट वस्तुओं को गमले

योजना बनाई। इसके तहत शनिवार की सुबह पार्क में इन पौधों को गमलों में डालने की मुहिम चलाई गई। दिलचस्प बात ये कि प्लास्टिक गिलास, कप, पॉलीथिन आदि वेस्ट वस्तुओं को गमले

अभी 500 पौधे इकट्ठे किए

ट्रस्ट के सदस्यों का कहना है कि पहले पार्क की सफाई की गई और कप, गिलास, बोतल आदि सामान इकट्ठा किया गया। फिर पानी से अच्छे से साफ कर उन्हें गमलों का रूप देकर पौधे स्टोर कर दिए हैं। अभी 500 पौधे इकट्ठे किए हैं। अगली बार पांच हजार पौधे इकट्ठे करने का लक्ष्य रखा गया है। इन पौधों को मुहिन चलाकर शहर के अलग अलग हिस्सों में लगाया जाएगा, जिससे शहर की हरियाली बढ़ेगी। उधर, शहरवासियों ने इस मुहिम की सराहना की है। लोगों का कहना है कि नशे में प्रयोग हुए गिलासों, बोतलों का ऐसा सदुपयोग होगा, ये किशो ने सोचा भी नहीं था। हम सभी को मिलकर ऐसे प्रयासों में सहयोग करना चाहिए।

बनाने में उपयोग किया गया। लगभग 500 पौधे गमलों में लगाकर नर्सरी में संग्रहित कर दिए गए हैं।



बहादुरगढ़। बाबा खाटू श्याम की मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में भूपेंद्र राठी व अन्य।

हनुमान मंदिर में स्थापित हुई खाटू श्याम की प्रतिमा

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

शहर के किला मोहल्ला में स्थित हनुमान मंदिर में बाबा खाटू श्याम मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित किया गया। इसमें इनेलो पार्षद प्रीति राठी के पति भूपेंद्र राठी ने भी शिरकत की। आयोजकों की ओर से उनका स्वागत किया गया। भूपेंद्र राठी ने मंदिर में पूजा अर्चना की और बाबा खाटू श्याम से

कलयुग में बाबा खाटू श्याम सबसे अधिक पूजे जाने वाले देवता

सभी के जीवन में खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि कलयुग में बाबा खाटू श्याम सबसे अधिक पूजे जाने वाले देवता है। बाबा खाटू श्याम को हारे का सहारा भी कहा जाता है, क्योंकि बाबा सभी हारे हुआ पर कृपा दृष्टि कर उन्हें संकट से उभारते हैं।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर रेवतीमंदन काठपालिया, दिनेश चावला, महेश काठपालिया, दीपक खटर, प्रवीण अरोड़ा, पंडित हरिओम भारद्वाज, एडवोकेट विपिन प्रधान, हरिओम प्रधान, साहिल चावला, जयवीश खुराना, पूर्व नगर पार्षद सुष्टि देवी, कांता देवी, सोनिया, गीता, पूनम व कमलेश आदि मौजूद रहे।

संघ व फाउंडेशन ने लगाए पौधे चट्टान की तरह मजबूत होनी चाहिए प्रतिज्ञा

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

भारतीय किसान संघ प्रदेश अध्यक्ष व श्रीमती रिसालो देवी फाउंडेशन के अध्यक्ष सतीश छिकारा ने पौधारोपण किया और पौधे बांटकर जागरूकता अभियान चलाया। उन्होंने पीडब्ल्यूडी ग्रीन बेल्ट में जामुन, अर्जुन, जंगली, जलेबी, अमरूद, आंवला, शहतूत आदि पौधे लगाए। किसान नेता सतीश छिकारा ने पर्यावरण की सुरक्षा के लिए पौधारोपण अभियान चलाते रहने की अपील की। उन्होंने बेटियों, महिलाओं व युवाओं को पर्यावरण संरक्षण की शायथ भी दिलाई। इस अवसर पर



बहादुरगढ़। शनिवार को पौधे लगाते सतीश छिकारा व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

शनिवार को विश्व रॉक दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेक्टर-2 सेवाकेंद्र पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके विनीता दीदी ने चट्टानों के मानव जीवन में महत्व और उनके योगदान पर प्रकाश डाला। बीके विनीता दीदी ने बताया कि अध्यात्म मार्ग पर चलने वाले हर एक आध्यात्मिक प्रेमी की पवित्रता चट्टान की तरह अचल और स्थिर होनी चाहिए। हमारे जीवन में नियम, मर्यादाएं और धारणाएं पत्थर पर लकीर के समान होनी चाहिए, जिन्हें



बहादुरगढ़। सेक्टर-2 सेवा केंद्र में उपस्थित ब्रह्माकुमारियां।

कोई और विचलित न कर सके। बीके विनीता दीदी ने बताया कि रक्षाबंधन का पर्व पवित्रता की दृढ़ प्रतिज्ञा करने का पर्व है। उन्होंने कहा कि यह प्रतिज्ञा

चट्टान की तरह मजबूत होनी चाहिए। सभा में उपस्थित अनेक ज्ञानी, योगी और अनुभवी व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान बीके लक्ष्मी दीदी, बीके

कोमल दीदी, बीके अंजलि बहन, बीके रामफल, बीके सतीश, बीके वीणा, बीके चंद्रकला व बीके कृष्णा सहित अनेक भाई-बहन उपस्थित रहे।

हाथ में पिस्तौल और मुंह में सिगरेट, पुलिस ने दबोचा

हरिभूमि न्यूज. बावल

दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर शुक्रवार को रात साबन चौक के पास एक ढाबे पर कुछ युवक पहुंच गए। इनमें से एक युवक हाथ में पिस्तौल लहराते हुए सिगरेट के कशला रहा था। ढाबे के सीसीटीवी कैमरे में कैद होने के बाद ढाबा संचालक ने फुटेज पुलिस को सौंपी, तो हरकत में आई पुलिस ने आरोपी की पहचान करते हुए काबू कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ करने में जुटी हुई है। रात को साबन चौक के पास ढाबे पर कुछ युवक पहुंच गए। इनमें से एक ने सिगरेट लेकर जलाई। सिगरेट मुंह में लेकर वह अपने साथी को हाथ में पिस्तौल लेकर दिखाते लगे। हालांकि युवकों

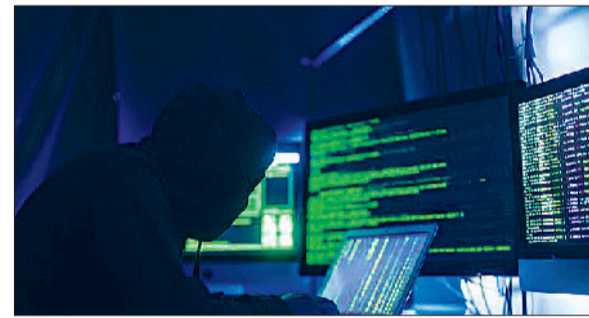


ने ढाबे पर किसी तरह की गतिविधि को अंजाम नहीं दिया, परंतु संदेह होने पर ढाबा मालिक ने युवकों के जाते ही फुटेज चेक की। फुटेज में युवक के हाथ में पिस्तौल नजर आने के बाद उसने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कराने के प्रयास किए।

निवेश के नाम पर टग लिए 16 लाख

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर लोगों से टगी की वारदात लगातार बढ़ रही है। बहादुरगढ़ का एक और व्यक्ति वारदात का शिकार हुआ है। शारिरो ने उसको करीब 16 लाख रुपये की चपत लगा दी। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वारदात अरुण दत्त के साथ हुई है। अरुण बहादुरगढ़ की एक हाउसिंग सोसाइटी का रहने वाला है। अरुण का कहना है कि गत 12 मई को वह एक क्लाइंट ग्राहक से जुड़ा। यह ग्राहक ई-ट्रेड स्टॉक इन्वेस्टमेंट की क्लास से संबंधित था। ग्राहक ने संजय नाम का एक व्यक्ति शेयर बाजार के बारे में जानकारी देता था। उस व्यक्ति की सहायिका सोहेलता सिंह ने मुझ से संपर्क किया तथा ग्राहक निवेश के बारे में जानकारी दी।



महिला के कहने पर उसने 9 जून को 30 हजार रुपये लगा दिए। फिर महिला ने आईपीओ में निवेश के नाम पर 13 जून को डेढ़ लाख, 20 जून को दो लाख और 23 जून को 12 लाख पांच हजार 721 रुपये जमा करवाए। प्रोफिट शो हुआ तो मैंने 26 जून को 12 लाख रुपये निकलवाए, जिसमें से 11 लाख 40 हजार खाते में आ गए। फिर आईपीओ में ज्वाइन

करने के लिए तीन जुलाई को पांच लाख तथा चार जुलाई को चार लाख 93 हजार रुपये जमा करवाए गए। ये पैसे जमा होते ही उसे ग्राहक से बाहर निकाल दिया। इससे उन्हें टगी का आभास हुआ लेकिन तब तक दर हो चुकी थी। इसके बाद उन्होंने पुलिस को शिकायत की। बीकाल अरुण, उसके साथ 15 लाख 98 हजार 721 रुपये की टगी हुई है। वहीं पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फायरिंग व रंगदारी केस में नाबालिग समेत चार दबोचे

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

बुराड़ी के एक जिम मालिक पर फायरिंग की घटना और रंगदारी मांगने वाले गिरोह के एक नाबालिग समेत चार आरोपियों को उत्तरी जिले की स्पेशल स्टाफ और लोकल पुलिस की संयुक्त टीम ने दबोच लिया है। बताया गया है कि इस वारदात को अंजाम तक पहुंचाने के लिये जेल में बंद गैंगस्टर ने दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से शूटरों की व्यवस्था की थी। इसके बाद एक महीने तक जिम व उसके मालिक की रेकी की गई थी। जिम के बाहर फायरिंग के बाद शूटरों ने भागने के लिये बंदूक की नोक पर एक मोटर साइकिल भी लूटी थी। इसके बाद सभी आरोपी उत्तर प्रदेश के मेरठ और बुलंदशहर में छिपकर रहे।

डोसीपी उत्तरी जिला मनोज कुमार मीणा ने बताया कि पांच जुलाई को सुबह लगभग 09:50 बजे, कोशिक एन्क्लेव, 100 फुटा रोड, बुराड़ी में फायरिंग की घटना सामने आई थी। पुलिस घटनास्थल सिटी जिम के सामने पहुंची। रोहित गिरी ने बताया कि जब वह अपने दोस्त विकास के साथ कार के अंदर बैठा था, तो अचानक उसने देखा कि दो लड़के हथियार लेकर उनकी कार की तरफ आ रहे थे। उनमें से एक ने भगवा रंग के कपड़े से अपना चेहरा ढंकेते हुए उसे गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। वह डर गया और अलार्म बजा दिया। उसके दोस्त सा और राहगीरों ने दोनों लड़कों का पीछा किया तो दोनों युवकों ने हवा में गोलियां चलाई और भागने में सफल रहे।

नेताजी नगर में मकान में हो गई चोरी

बीते साप्ताहभर में आधा दर्जन से अधिक चोरी की वारदात हो चुकी

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

लाइनपार के नेताजी नगर में स्थित एक मकान में चोरी की वारदात हो गई। अज्ञात चोर ताला तोड़कर मकान में घुसे और हजारों सोने-चांदी के आभूषणों पर हाथ साफ कर गए। लाइनपार थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बीते साप्ताहभर में इलाके में आधा दर्जन से अधिक चोरी की वारदात हो चुकी है।

वारदात अरुण के मकान में हुई है। दरअसल, अरुण का परिवार हरिद्वार गया था। शुक्रवार को वे घर लौटे तो मकान के मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ था। यह देख वह दंग रह गए। अंदर गए तो सारा सामान अस्त-व्यस्त था। जांच करने पर अलमारी में से सोने की अंगूठी,

वारदात हो चुकी है। गत 11 जुलाई को रात को पटेल नगर स्थित एक मकान से नकदी चोरी हुई, वहीं 9 जुलाई की रात को वसु कालोनी में स्थित एक मकान से दो लाख की नकदी व लाखों के आभूषण चोरी हुए। इसी रात दुर्गा कॉलोनी स्थित एक दुकान से एक लाख रुपये की चोरी हुई। गत सात जुलाई की रात को दुल्हेड़ा में स्थित एक मकान में चोरी हुई। यहां जमीन में दबाए गए लाखों के गहने किसी ने निकाल लिए। सात जुलाई की रात को बसंत विहार स्थित एक बंद मकान में चोरी की वारदात हुई।

वहीं, छह जुलाई की रात को पटेल नगर स्थित एक मकान को निशाना बनाया गया। इनमें से अधिकांश वारदात अनुसुलझी है।



बहादुरगढ़। रक्तदाता को बैज लगाकर सम्मानित करते एसडीएम परमजीत चहल व अन्य। फोटो: हरिभूमि

विधायक नरेश कौशिक के पुत्र हिमांशु कौशिक ने शिरकत की। अतिथियों के साथ भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन बंटी, शहरी

अनमोल जीवन बचाने से बड़ा कोई परोपकार नहीं चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी ने कहा कि रक्तदान के माध्यम से किसी का अनमोल जीवन बचाने से बड़ा कोई परोपकार नहीं है। रमेश राठी ने बताया कि 241 लोगों ने रक्तदान के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था, मगर बरसात के चलते कैंप रोकना पड़ा और इस दौरान 142 लोगों ने रक्तदान कर पुण्य कमाया। शिविर में भाजपा नेता सतपाल राठी, समाज सेवी दिनेश कौशिक, शतीश नंबरदार, युद्धवीर चेयरमैन, राजेश तंवर, अशोक शर्मा, ऋषि भारद्वाज, अश्वनी शंभू, सविता शैली, पवन रोहितल्ला, लोकहित समिति के अध्यक्ष नरेश कौशिक, दिनेश शेखावत, राजेश आर्य, सतवीर चौहान, मनमोहित गुप्ता, भयराम राठी आदि मौजूद रहे।

एसएचओ हरीश कुमार का स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित करते हुए एसडीएम परमजीत चहल ने कहा कि रक्त का कोई दूसरा विकल्प नहीं है। सड़क दुर्घटनाओं तथा विभिन्न प्रकार की बीमारियों में मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में आमजन को बढ़ चढ़कर रक्तदान करना चाहिए, ताकि रक्त की कमी से किसी की जान ना जाए।

**खबर संक्षेप**



झज्जर। बैठक में मौजूद ग्रुप सदस्य एवं श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

**झज्जर-सांपला मार्ग पर शिव कांड सेवा शिविर 28 से**

झज्जर। शिव ग्रुप सब्जी मंडी कांड सेवा समिति की बैठक शनिवार को बाबा कांशीगिरी मन्दिर प्रांगण में ग्रुप प्रधान मनोज चुध की अध्यक्षता में हुई। गायत्री मंत्र से शुरू हुई इस बैठक में ग्रुप द्वारा झज्जर-सांपला मार्ग पर ग्यारहवें विशाल कावड़ सेवा शिविर के सम्बंध में विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद सर्वसम्मति द्वारा आगामी 28 जुलाई से कांडवर्धियों की सेवा के लिए शिविर लगाने का निर्णय लिया गया। मनोज चुध ने बताया कि श्री वीर हनुमान सेवा समिति एवं शहरवासियों के सहयोग से एक अगस्त तक चलने वाले इस शिविर के दौरान कांडवर्धियों की सेवा की जाएगी। इस मौके पर श्री हनुमान सेवा समिति प्रधान सुभाष वर्मा, मंदिर बाबा कांशीगिरी समिति प्रधान हिमांशु हंस, राजकुमार चुध, योगेश रंजन, सुनील चुध, अन्नू नागपाल, दिनेश दुजाना, लक्ष्य वर्मा, पुनीत खुश्रोणा, सुधांशु हंस, डॉक्टर शारत भूषण नंदा, डॉक्टर तुषार शर्मा, भवित वर्मा, पंकज भारद्वाज, देवेश शर्मा, वंशु वर्मा, मोहित गाबा, अनिल छाबड़ा, डॉक्टर सुरेंद्र गम्भीरिया, सुरेंद्र वर्मा, राजेंद्र वधवा, जीतु वर्मा, उमंग खुराना, तरुण वर्मा, वीके शर्मा, सलीश वर्मा, मनीष मेहता, धीरज अरोड़ा, सक्षम वर्मा, गौरव पोपली, नारायण सलूजा आदि मौजूद रहे।

# पिछले कई वर्षों से पर्यावरण मित्र के रूप में कर रहे हैं कार्य खुद पौध तैयार कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रहा पर्यावरण मित्र हुक्म सिंह

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ झज्जर

पर्यावरण संरक्षण के लिए हर व्यक्ति को प्रतिवर्ष कम से कम दो पौधे अवश्य लगाने चाहिए। तभी हमारी धरा स्वच्छ व सुंदर रह सकती है। यह कहना है कि पिछले कई वर्षों से पर्यावरण मित्र के रूप में कार्य कर रहे क्षेत्र के गांव सिवाना निवासी हुक्म सिंह का। अपने जीवन में करीब सात सौ से अधिक पेड़ लगा चुके हुक्म सिंह ने कहा कि उन्हें पेड़ लगाने पर आत्मिक शांति मिलती है। वह पौधरोपण के बाद उनकी देखभाल का जिम्मा लेते हुए उनका पालन पोषण भी अपने बच्चों की तरह करते हैं। मानसून के दौरान वे स्वयं



झज्जर। सार्वजनिक स्थान पर पौधरोपण करते हुए पर्यावरण मित्र हुक्म सिंह।

पौध तैयार कर गांव की शामलात भूमि व निकटवर्ती सार्वजनिक स्थानों पर पौधरोपण करते हुए अपने अभियान में जुटे हैं। पेड़ पौधों की अन्धाधुंध कटाई तथा जल का अधिक मात्रा में दोहन करने के कारण पर्यावरण दूषित हो रहा है। इसलिए वे पौधरोपण के साथ-साथ लोगों को जागरूक भी करते हैं।

**पौधरोपण के साथ की वन महोत्सव की शुरुआत**

झज्जर। स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ स्टडीज फॉर टीचर एजुकेशन संस्थान में शनिवार को पौधरोपण करते हुए वन महोत्सव की शुरुआत की गई। स्टाफ सदस्यों के साथ पौधरोपण अभियान की शुरुआत करते हुए संस्थान निदेशक डॉक्टर ऋषि गोयल ने बताया कि उनके संस्थान का उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना ही नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए विद्यार्थियों को जागरूक करना भी है। संस्थान में इस अभियान के दौरान करीब दो सौ पौधों का रोपण किया गया। जिनमें मुख्यमोहर व कोलेकापस हेज संस्थान निदेशक ऋषि गोयल। फोटो: हरिभूमि जूनी प्रजातियां शामिल हैं।



झज्जर। संस्थान परिसर में पौधरोपण करते हुए मुख्यमोहर व कोलेकापस हेज संस्थान निदेशक ऋषि गोयल। फोटो: हरिभूमि जूनी प्रजातियां शामिल हैं।

**शिक्षकों ने की मनाया वन महोत्सव**

झज्जर। राजकीय महाविद्यालय बिरोह में प्राचार्य डॉक्टर सत्यनत तथा प्रशासनिक अधिकारी डॉक्टर अनिता रानी की मौजूदगी में शनिवार को पौधरोपण का कार्यक्रम किया गया। 75वें वन महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत एक पेड़ का नाम अभियान की शुरुआत करते हुए डॉ. कोलब, हरिहर हरियाणा अभियान यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम, नेचर इंटरप्रिटेशन एवं एनएसएस यूनिट 2 द्वारा पौधरोपण किया गया। डॉक्टर अनिता रानी ने बताया कि वन महोत्सव की शुरुआत 1950 में तत्कालीन केंद्रीय कृषि एवं खाद्य मंत्री कैप्टम मुंशी ने लोगों में वन संरक्षण और वृक्षारोपण के प्रति उत्साह पैदा करने के लिए की थी। इसके मूल उद्देश्य में भारत के प्रत्येक नागरिक से वन महोत्सव सप्ताह के दौरान एक पौधा लगाने की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि भारत में मानसून का आगमन आमतौर पर जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू होता है। यही कारण है कि देश इस विशेष महोत्सव के दौरान वन महोत्सव मनाता है। यह भी देखा गया है कि इस अवधि के दौरान लगाए गए पौधों की जीवित रहने की दर अन्य महोत्सव के दौरान लगाए गए पौधों की तुलना में अधिक होती है।



झज्जर। महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण करते हुए शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

**भाविप ने विद्यार्थियों संग किया पौधरोपण**

बहादुरगढ़। भारत विकास परिषद की बहादुरगढ़ और विवेकानंद शाखा के सहयोग से एक पेड़ का नाम अभियान के तहत राणा प्रताप स्कूल के बच्चों ने देवीलाल पार्क में 60 फूलदार और छायादार पौधे लगाए। मैनेजमेंट कमेटी की सदस्य सुनीता देवी और प्राचार्या मीनू पंवार ने कहा कि पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने के लिए पौधरोपण किया गया। पूर्व चेयरमैन कर्मबीर राठी, भाविप के जिला समन्वयक सतीश शर्मा, शाखा अध्यक्ष विरेन्द्र कौशिक और सुनील बंसल ने कहा कि प्रत्येक नागरिक अपना कर्तव्य समझना चाहिए और पौधे लगाने चाहिए। सेवानिवृत्त एसडीओ मुकेश शर्मा ने हर विशेष मौके पर एक पौधा लगाने की शपथ दिलाई। चेयरपर्सन प्रतिनिधि रमेश राठी, दीपेश राठी, मुकेश शर्मा, सचिव मुकेश बंसल, दीपक पंवार, गजेन्द्र यादव, रमेश गुप्ता, हरद्वान गुप्ता, ऋषि भारद्वाज, पंकज कौशिक, धर्मदेव कुमार और हरद्वान कौशिक आदि ने पौधरोपण किया।



झज्जर। विशेष प्रचार अभियान के दौरान प्रचार करते हुए भजन पार्टी। फोटो: हरिभूमि

**भजन व ड्रामा पार्टियां गीतों व भजनों के माध्यम से आमजन को कर रही जागरूक**

झज्जर। शनिवार को विशेष प्रचार अभियान के तहत भजन व ड्रामा पार्टियों द्वारा गांव गांववासियों, सासुरीली, सुंदरगढ़, नवादा, कव्हा, शाहपुर, अरौली, खानपुर आदि गांवों में कार्यक्रम आयोजित कर सरकार की योजनाओं व जनसंख्याकार्य नीतियों से गांवियों को रूबरू करवाया गया। प्रवक्ता ने बताया कि भजन मंडलियों द्वारा शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष प्रचार अभियान के तहत सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों एवं विकास कार्यों बारे में क्षेत्रीय प्रचार अमला आमजन को लोक भाषण के जरिए से जागरूक करने तथा पात्र परिवारों को सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित कर रहा है।

**शिविर में 1177 शिकायतों का समाधान कर लोगो को दी राहत**

झज्जर। डीसी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा शिविर में आई 1177 शिकायतों का समाधान करते हुए नागरिकों को राहत पहुंचाई जा चुकी है व लंबित शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान करने में प्रशासन लगा हुआ है। सोमवार को जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन होगा। उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। एसडीएम द्वारा शिकायतों पर सुनवाई का जा रही है। लंबित शिकायतों के जल्द से जल्द समाधान करने के संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

# नाले अवरुद्ध होने से सड़क पर फैला कार की टक्कर से स्कूटी गंदा पानी, दुकानदारों को परेशानी सवार कर्मचारी की मौत

**पानी भरा होने के कारण ग्राहक भी दुकान पर चढ़ने से कतराते हैं**

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ झज्जर

शहर के मेन बाजार स्थित डाकखाना परिसर के नजदीक नाले अवरुद्ध होने के कारण नालियों का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर फैलने से दुकानदारों व राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुकानों के सामने गंदा पानी भरा होने के ग्राहकों को भी दुकान तक पहुंचने में परेशानी आती है। दुकानदार दिन भर दुकान के सामने फैले गंदे पानी को साफ करने में लगे रहते हैं। उनका कहना है कि इस गंदे एवं बदबूदार पानी के कारण जहां उनका पूरा दिन दुकान पर



झज्जर। मेन बाजार में सड़क पर फैला नालियों का गंदा पानी। फोटो: हरिभूमि

बैठना मुश्किल हो रहा है वहीं ग्राहकों में भी कमी आई है। पानी भरने के कारण ग्राहक भी दुकान पर चढ़ने से कतराते हैं। नेता जी सुभाष चौक के दुकानदार जगमोहन, हरी, सतीश यादव, विशाल बिंद्रा आदि

**ने बताया कि कई बार तेज गति से गुजरने वाले वाहनों के कारण गंदे पानी के छिटे भी उनकी ओर गिरा जाते हैं जिस कारण परेशानी आती है। गंदे पानी में मच्छर पनपने के चलते बीमारी फैलने का खतरा भी बना है। दुकानदारों का कहना है कि यह समस्या पिछले कई दिनों से बनी है। जिला प्रशासन द्वारा भी इस तरफ कोई खास ध्यान नहीं दिया जा रहा। बार-बार कहने के बाद सफाई कर्मचारी आते हैं उस दौरान कुछ समय के लिए स्थिति ठीक रहती है लेकिन कुछ दिनों बाद फिर से वही हालात हो जाते हैं। दुकानदारों द्वारा जिला प्रशासन से मांग की गई है कि नालों की सफाई कराकर उन्हें समस्या से छुटकारा दिलाया जाए।**

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ झज्जर

क्षेत्र के गांव मातनहेल में कार की टक्कर लगने से स्कूटी सवार व्यक्ति की मौत हो गई। राहगीरों ने जब यह हादसा देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर राहगीरों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल पहुंचाया। मृतक की पहचान मातनहेल गांव निवासी करीब 52 वर्षीय वीरेंद्र पुत्र दुर्लीचंद के तौर पर हुई है। वीरेंद्र दो बेटी और एक बेटे के पिता थे। मामले के जांच अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि वीरेंद्र ग्वालिसन गांव के

# प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

■ विद्यार्थियों को मेहनत करने रहने के लिए प्रेरित किया

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ झज्जर

एमआर स्कूल हसनपुर में विद्यार्थियों के फर्स्ट पीरिऑडिकल परीक्षा परिणाम में अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान कक्षा पर्यवक्षकों ने अभिभावकों को विद्यार्थियों के परिणाम से अवगत कराया। विद्यालय निदेशक सोमबीर कोडान ने बेहतर परिणाम पर बधाई देते हुए विद्यार्थियों को मेहनत करने रहने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय में ग्रीष्म अवकाश गृहकार्य के दौरान



झज्जर। विद्यार्थियों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए निदेशक सोमबीर कोडान। फोटो: हरिभूमि

निर्मित विभिन्न प्रकार के मॉडल, प्रोजेक्ट और चार्टों को देखकर निदेशक व अभिभावकों ने मुक्त कंठ से अध्यापकों व विद्यालय प्रबंधक समिति की प्रशंसा की। प्राचार्य केएन दास ने विद्यालय परिसर में आने वाले अभिभावकों का आभार जताया।

**जानलेवा हमला करने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार**

झज्जर। क्षेत्र के गांव छप्पार में शादी-समारोह के दौरान एक व्यक्ति को गोली मारने के मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम द्वारा एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी माछरीली सुमित ने बताया कि घायल के भाई मदनपाल निवासी भैणी जाटान जिला भिवानी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए एएसआई अशोक कुमार की टीम ने एक आरोपी को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपी की पहचान विशाल निवासी गुमानी जिला भिवानी के तौर पर की गई है। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

**सूचना**

में, रामानंद सैनी पुत्र श्री शंकर लाल सैनी निवासी मकान नंबर-641/18, बिहाईस राम बाग, राम नगर, बहादुरगढ़, जिला झज्जर, हरियाणा-124507 बयान करता हूँ कि मेरा पुत्र हिमांशु सैनी व मेरी पुत्रवधु ज्योति सैनी मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनसे अपने तमाम संबंध समाप्त करते हुए इनको अपनी चल्-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार को कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

**सूचना**

में, राजेश देवी पत्नी कर्मबीर सिंह निवासी शक्ति नगर, बहादुरगढ़, जिला झज्जर बयान करती हूँ कि मेरा पुत्र मोहित व मेरी पुत्रवधु सरोज मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनसे अपने तमाम संबंध समाप्त करते हुए इनको अपनी चल्-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार को कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

**खबर संक्षेप**

**अवैध हथियार सहित एक आरोपी पकड़ा**

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा अवैध हथियार सहित एक आरोपी को पकड़ा गया है। सीआईए वन प्रभारी जयवीर ने बताया कि पुलिस की एक टीम कबलाना खुंगाई मोड़ पर तैनात थी। एक व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, तभी पुलिस टीम द्वारा शक की बिनाह पर व्यक्ति को पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपी की मौके पर तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से एक अवैध हथियार व दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। आरोपी की पहचान प्रदीप निवासी खुंगाई जिला झज्जर के तौर पर की गई है। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार मामला दर्ज करते हुए आगामी कार्रवाई अमल में लाई गई है।

**वार्ड-24 में भी हो रही दूषित जलापूर्ति**

बहादुरगढ़। शहर के वार्ड नंबर 24 में भी दूषित पेयजल की आपूर्ति हो रही है। स्थानीय निवासी बबीता ने बताया कि दूषित पेयजल की आपूर्ति से बीमारियां होने की आशंका बनी हुई है। यशपाल हिंदुस्तानी ने बताया कि दूषित पेयजल आपूर्ति से परेशान होकर उन्होंने ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई है। विभाग द्वारा वार्ड 24 में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाया जाना चाहिए।

**एक निजी अस्पताल के सामने खड़ी बाइक चोरी**

झज्जर। शहर के एक निजी अस्पताल के सामने खड़ी बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। ग्वालिसन गांव निवासी अनिल कुमार ने बताया कि वह बीती छह जुलाई को स्थानीय नागरिक अस्पताल रोड पर स्थित एक निजी अस्पताल में दवाई लेने के लिए शहर आया था। वह सुबह करीब आठ बजे अपने बाइक अस्पताल के सामने खड़ी करके अंदर चला गया था। इसके बाद जब उसने करीब साढ़े नौ बजे अस्पताल से बाहर निकलकर देखा तो उसकी बाइक चोरी हो चुकी थी। उसने सोचा कि कोई धोखे से बाइक ले गया हो लेकिन काफी तलाश करने के बाद उसकी बाइक का कोई सुरांग नहीं लगा। पुलिस ने पीड़ित को शिकायत पर मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।



बहादुरगढ़। सेक्टर 6 के प्राइमरी स्कूल से खरपतवार हटाने समिति सदस्य।

**स्कूल मैदान से हटाई खरपतवार**

बहादुरगढ़। सार्थक सेवा समिति ने सेक्टर 6 में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय को गोद लेते हुए स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। समिति अध्यक्ष एनएस कपूर ने बताया कि विद्यालय में खाली भूमि पर झाड़ू के कारण कुछ समय पूर्व लगाए गए कई पौधे मर चुके थे। समिति सदस्यों ने खरपतवार को हटाय़ा और पौधों को सींचने और देखभाल करने योग्य बनाया। अगले कुछ दिनों में पूरे मैदान को खरपतवार मुक्त कर पौधों को नया जीवन दिया जाएगा। ज़रूरत अनुसार पौधारोपण भी किया जाएगा और पौधों को बड़ा होने के लिए लाकड़-पालन का पूरा इन्तजाम किया जाएगा। अध्यक्ष अजय सिंह और सुरेश कुमार ने इसमें सहयोग का वायदा किया। इस मुहिम में कर्नल अनिल कुमार, जून, शिव मंगल पाल, हरिचंद रोहड़ा, रामानन्द रंगा, राधेश्याम गुप्ता, रामानन्द शर्मा, महावीर जांगड़ा, प्राणवी कपूर और राजबाला दलाल ने योगदान दिया।

**हरिभूमि आवश्यक सूचना**

जिन पाठकों को अखबार मिलाने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नंबरों पर सवर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

**बहादुरगढ़ :-** सुरजमल वाली गली, गणपति टैक्स के ऊपर, नजदीक टैक्स स्टैंड, बहादुरगढ़  
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर  
फोन :- 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

**मृत्यु अंत नहीं है**

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है आत्मा पथ प्रदर्शक है।

**हरिभूमि**  
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

**तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश**

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 से.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	₹. 2500/- ₹. 3000/-

+5% GST Extra

नोट :- विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त टाईज पर मान्य। अन्य किसी टाईज के लिए फाई स्टेट लागू।

**अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें**

झज्जर :- हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन :- 8295876400  
बहादुरगढ़ :- सुरजमल वाली गली, रोहताक रोड, गणपति टैक्स के ऊपर, 8295852900

**स्कार्पियो व क्रेटा गाड़ी से 176 किलो गांजा बरामद, तीन आरोपी भी पकड़े**  
**छत्तीसगढ़ से हरियाणा लाई गांजे की खेप पकड़ी**

एनसी को सूचना मिली थी कि गांजे की खेप लेकर तस्क़र केएमपी से होते हुए रोहताक की ओर जाएंगे। इस सूचना पर टीम हरकत में आई और गांव डाबोदा के पास केएमपी पर नाकाबंदी कर दी गई।

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल को बड़ी सफलता मिली है। एनसी टीम ने केएमपी एक्सप्रेस-वे पर गांजे से भारी दो गाड़ियां पकड़ी हैं। गाड़ियों से लगभग 176 किलो गांजा बरामद हुआ है। यह खेप छत्तीसगढ़ से हरियाणा लाई गई थी। तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि मौके से भागे चौथे आरोपी की तलाश जारी है। इस संबंध में सदर थाने में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज हुआ है।



बहादुरगढ़। पुलिस की गिरफ्त में गांजा तस्करी के आरोपी।

फोटो: हरिभूमि

शनिवार को मामले में पत्रकार वार्ता करते हुए एसीपी शुभम सिंह ने कहा कि एनसी को सूचना मिली थी कि गांजे की खेप लेकर तस्क़र केएमपी से होते हुए रोहताक की ओर जाएंगे। इस सूचना पर टीम हरकत में आई और गांव डाबोदा के पास केएमपी पर नाकाबंदी कर दी गई। गांज

के दौरान स्कार्पियो और क्रेटा आदि दो गाड़ी रूकवाई गई। चेकिंग करने पर इनमें गांजे की खेप पाई गई। पुलिस को देखकर आरोपियों ने भागने का प्रयास किया। दो आरोपी मौके से काबू कर लिए गए, जबकि दो भागने में कामयाब रहे। हालांकि बाद में तीसरे आरोपी सतीश को भी टीम

**महिला के गले से चेन झपट भागे बाइक सवार शक्तिर**

बहादुरगढ़। अस्पताल में भोजन लेकर जा रही ननद-भाभी के साथ झपटमारी की वारदात हो गई। बाइक सवार दो बदमाश ननद के गले से दो तोले की सोने की चेन झपट ले गए। रेलवे थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली के रणहोला इलाके की निवासी महिला कृष्णा देवी बहादुरगढ़ के हरिनगर में अपने मायके में आई थीं। परिवार के सदस्य के लिए भोजन लेकर कृष्णा देवी अपनी भाभी सुमनलता के साथ शहर में स्थित एक निजी अस्पताल जा रही थीं। जब वे रेलवे स्टेशन को पार करके आगे बढ़ी तो इसी बीच रेलवे रोड की तरफ से बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए और कृष्णा देवी के गले से चेन झपटकर भाग गए। अचानक हुई इस घटना से दोनों महिलाएं सहम गईं। कृष्णा देवी के गले पर तो झपटमार का नाखून लगा। ऐसे में कुछ पल के लिए उनकी गर्दन में इतना दर्द हो गया कि उनकी आवाज तक नहीं निकल पाई। ऐसे में उनकी भाभी उन्हें संभालने में जुट गईं। आसपास में कोई कुछ नहीं कर पाया। वारदात के बाद बदमाश रेलवे लाइन की तरफ से भाग गए। दोनों ने हेल्मेट पहन रखा था। उधर, जीआरपी थाना प्रभारी बृजपाल सिंह ने कहा कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है।

**रखरखाव के कारण कई घंटे गुल रही बिजली**

■ शीतला माता फीडर पर 3 घंटे के घोषित कट के बाद भी हुआ ब्रेकडाउन

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

शहर के कई हिस्सों में रखरखाव कार्य के चलते शनिवार को विद्युत आपूर्ति करीब 3 घंटे तक गायब रही। बिजली निगम ने पुराने शहर में रखरखाव कार्य के लिए सुबह 7 बजे से शाम 10 बजे तक शीतला माता फीडर की बिजली बंद रखी। निगम की ओर से वीरवार को इसकी सूचना उपभोक्ताओं को दी थी। इस कारण धर्मपुरा, जटवाड़ा मोहल्ला, मेन बाजार, नजफगढ़ रोड व कमेटी चौक में सुबह के समय बिजली गुल रहने से लोगों को परेशानी हुई।

एक तो उमस भरी गर्मी का सितम, उस पर यदा-कदा बिजली कटौती। ऐसे में लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। मानसून के मौसम में भी उमस भरी गर्मी की वजह से शहरवासी पसीने से तर-बतर हैं। इस बीच बढ़ती बिजली की डिमांड



बहादुरगढ़। जटवाड़ा मोहल्ला में रखरखाव के कार्य में जुटे निगम कर्मचारी।

से विद्युत तंत्र हाफने लगे हैं। वीरवार को तो बिजली कटौती से गांव

**रेलवे स्टेशन को अत्याधुनिक बनाने का काम जारी**

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन के सुधारीकरण का काम तेजी से जारी है। नए भवन के साथ ही आधुनिक पार्किंग, प्लेटफार्म का विस्तार, ओवरब्रिज का निर्माण चल रहा है। विदित है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 अगस्त को बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन समेत देश के 508 रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण की वचुंअल माध्यम से आधारशिला रखी थी। बता दें कि 1932 में निर्मित बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन दिल्ली रोहताक रेलमार्ग पर हरियाणा का पहला रेलवे स्टेशन है। यहां से करीब 10 हजार लोग रोजाना ट्रेन के जरिए आवागमन करते हैं। अधिकारियों की मानें तो इस रेलवे स्टेशन से रोजाना 22 एक्सप्रेस ट्रेन, 56 पैसेंजर ट्रेन और करीब 65 मालगाड़ियां भी गुजरती हैं। इस स्टेशन के आधुनिकीकरण पर प्रथम चरण में 25 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च होगी। इसके तहत नए भवन का निर्माण और मौजूदा भवन का नवीनीकरण, वेंटिंग हॉल और पैसेंजर फ्रेंडली आधुनिक सुविधाएं, पार्किंग एरिया, प्रवेश व निकासी के अलग द्वार, वार्ड-फाई की सुविधाओं सहित विश्वस्तर का सौंदर्यकरण किया जा रहा है। यह प्रोजेक्ट पूरा होने



बहादुरगढ़। सुधारीकरण के तहत रेलवे स्टेशन पर जारी नए भवन का निर्माण।

के बाद बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन विश्वस्तरिय सुविधाओं से लैस होगा। यहां रेलवे के तकनीकी विभाग को भी आधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा। प्लेटफार्म पर बनी वेंटिंग एरिया को शोड बढ़ाया जा रहा है। दोनों तरफ टिकट काउंटर बनाए जाएंगे। रेलवे स्टेशन के सुधारीकरण के तहत जीआरपी चौकी, एटीएम और प्याऊ तोड़कर शिफ्ट की जा चुकी है। रास्ते में आड़े आए पेड़ों को भी नहीं बख्शा गया। रेलवे क्वार्टरों को भी हटाया गया। रेलवे बाउंड्री के साथ-साथ रेलिंग लगाई जा रही है।

**पार्ट टाइम में प्रतिदिन तीन से पांच हजार रुपये कमाने के झांसे में आकर गंवाए 16 लाख रुपये**

हरिभूमि न्यूज़ ►► झज्जर

पार्ट टाइम जॉब के माध्यम से प्रतिदिन तीन से पांच हजार रुपये कमाने के झांसे में आकर एक व्यक्ति ने साढ़े लाख रुपये से अधिक रुपये गंवा दिए। पुलिस को दी शिकायत में राजस्थान में अजमेर के आजाद नगर केकडी निवासी मनोज कुमार मीणा पुत्र अर्जुन लाल मीणा ने बताया कि बीती चार जुलाई को उसके पास टेलीग्राम के माध्यम से पार्ट टाइम जॉब में प्रतिदिन तीन से पांच हजार रुपये कमाने का लिंक आया जिसमें सीईओ कंपनी का वर्क अकाउंट बनाकर ट्रेनिंग लेने की बात कही गई थी। फिर उसे ट्रायल बोनस के तौर पर वर्क अकाउंट में डालकर उसका 514 रुपये मुनाफा कराया गया।

■ पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू की

उसके बाद फिर से उसने दस हजार रुपये डालने के बाद फीडबैक देने का कार्य किया तो उसका खाता 12888 रुपये माइनस में चला गया। जब उसने अपने खाते से 12888 रुपये की राशि उनके कहने पर जमा कराई तो उसे प्रोफिट सहित 28 हजार 78 रुपये वापस मिले तो विश्वास हो गया कि यह कार्य सही है। मनोज कुमार के अनुसार उसके बाद सात जुलाई को साइबर ठगों के कहने पर उसने 50 हजार रुपये भेजे और फीडबैक देने का काम पूरा नहीं हुआ तो उसका खाता दो लाख 57 हजार रुपये माइनस में चला गया। जब वह माइनस राशि जमा कर फिर से टारगेट पूरा करने लगा तो उसका खाता 5 लाख 63 हजार 440 रुपये माइनस में चला गया। उसने फिर से रुपये भरने की बात कही गई। जब उसने मना किया तो संबंधित व्यक्ति ने कहा कि उसकी राशि सेफ रूपये भेजने के फीडबैक देने का काम किया तो उसे मुनाफे सहित 13212 रुपये वापस मिले।

उसके बाद भी जब उसका टारगेट पूरा नहीं हुआ और खाता माइनस में रहा तो उन लोगों द्वारा वर्क अकाउंट 15 लाख 23 हजार 440 रुपये जमा कराने की बात कही। जब उसने अपने रुपये वापस मांगे तो वे कहने लगे कि 50 प्रतिशत छूट के साथ 7 लाख 61 हजार 720 रुपये जमा करा दो तब ही अपनी राशि निकाल सकते हो। जब उसने वह राशि जमा करा दी लेकिन तब भी रुपये नहीं निकले। उसके बाद उसने आठ जुलाई को 4,99,999 रुपये, नौ जुलाई को 2,61,721 रुपये जमा किए लेकिन रुपये वापस नहीं निकल पाए। साइबर ठगों ने कहा कि 50 प्रतिशत राशि 17,48,362 रुपये जमा करो और 52,45,086 रुपये निकाल लो। मनोज कुमार के अनुसार फिर उसे लगा कि उसके साथ फ्राड हो रहा है। और उसने अपनी शिकायत 1930 पर काल करके दर्ज करवाई। इस प्रकार अनजान लोगों ने उसके साथ धोखाधड़ी करके कुल 16,65,609 रुपये की ठगी की है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।



बहादुरगढ़। कार्यक्रम में अतिथियों को सूचित विहन देते आयोजक।

**स्थापना दिवस पर दी कैशलेस योजना की जानकारी**

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

दिल्ली हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम के सभागार में सुनहरा कल फाउंडेशन का तीसरा स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में सरकारी कर्मचारियों को मिलने वाली हरियाणा सरकारी स्वास्थ्य संबंधित सरकारी कैशलेस योजना पर विस्तारपूर्वक परिचर्चा हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. श्रवण बंसल और डॉ. राजरानी बंसल ने संयुक्त रूप से की। वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. राजरानी बंसल ने बताया कि कैशलेस योजना के बारे में सरकारी कर्मचारियों में बहुत संशय थे, जिन्हें दूर करने का प्रयास किया गया है। सरकारी विद्यालय, महाविद्यालय के अध्यापकों, प्राध्यापकों व रिटायर्ड कर्मचारियों ने इसमें हिस्सा लेते हुए अपने संशय दूर किए। साथ ही इसके लिए ज़रूरी दस्तावेजों के बारे में जानकारी हासिल की। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सुनीता छिल्लर ने बताया कि सुनहरा कल फाउंडेशन का उद्देश्य बेहतर कल के लिए प्रयास करना है। संस्था ने तीन साल के दौरान कैरियर गाइडेंस कार्यशाला, पुस्तक मेला, नेकी की दिवार कार्य आदि विभिन्न सामाजिक कार्य किए। इस अवसर पर पूर्व प्राचार्य सुमेर सिंह, कमल देशी, प्राचार्या कैलाश देवी, मूर्ति देवी, कप्तान सिंह, पूजा शर्मा व डॉ. साक्षी आदि मौजूद रहे।

**महिला से छीना झपटी के मामले में गिरफ्तार**

बहादुरगढ़। महिला से छीना झपटी के मामले में सेक्टर 6 थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में जमाया गया है। गत आठ जुलाई को सेक्टर 6 में वारदात हुई थी। दरअसल, मंजू नाम की एक महिला बाजार से अपने घर लौट रही थी। रास्ते में पीछे से स्कूटी सवार दो युवक आए और उससे बैग छीन ले गए। बैग में रुपये व मोबाइल सहित अन्य दस्तावेज थे। पुलिस ने इस सिलसिले में केस दर्ज कर जांच शुरू की। अब एक्सआई मन्दीप की अगुआई वाली टीम ने एक आरोपी को पकड़ा है। आरोपी को पहचान शिवा के रूप में हुई है। रोहताक का रहने वाला है। उसे पूछताछ के बाद जेल में जमाया गया है। मामले में शामिल रहे दूसरे आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार करने की बात कही जा रही है।

**JUPITER PUBLIC SCHOOL, ROHAD**  
NH-9, ROHAD VILLAGE BYPASS, DISTT. JHAJJAR  
Ph. 8053959764, 9896115309

**REQUIRES**

Qualified, Experienced & Fluent in English:

- Nursery Teacher
- Computer Teacher
- Computer Operator
- PGT (History)
- PGT (Commerce)

Walk in for subject Written Test, Teaching Demo & Interview on any working day.

Transport Facility for staff from Bahadurgarh & Sampla.

Salary: No Bar for suitable candidates

कुछ समय पहले तक माना जाता था कि अगर हमारा आईक्यू लेवल हाई है तो हम सबसे बुद्धिमान लोगों की श्रेणी में शामिल हैं। फिर इसमें ईक्यू और एसक्यू फैक्टर्स भी जोड़े गए। इन दिनों बुद्धिमत्ता के नए मानक एक्क्यू की दुनिया भर में चर्चा हो रही है। क्या है यह एक्क्यू पैमाना और इसे सबसे इंपॉर्टेंट क्यों माना जा रहा है? जानिए, विस्तार से।

कवर स्टोरी

लोकप्रिय गौतम

**अ**गर हम मानते हैं कि अलग-अलग लोगों में उनकी बुद्धि का स्तर अलग-अलग होता है, तो जाहिर है बुद्धि के मापने का कोई पैमाना भी होगा। साल 1912 में प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक विलियम स्टर ने बौद्धिक क्षमता मापने के पैमाने आईक्यू यानी इंटेलेजेंस कोशेंट का क्रांति-संचालन किया।

### आईक्यू बताता है बौद्धिक क्षमता

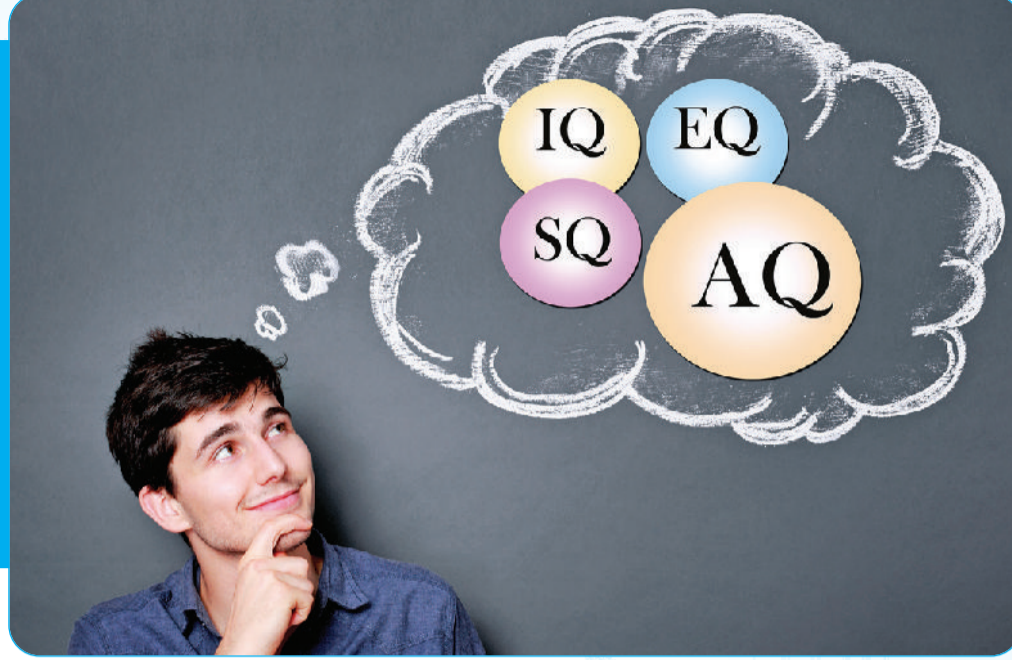
आईक्यू पैमाने के मुताबिक हर व्यक्ति की मानसिक क्षमता का अलग-अलग स्कोर होता है। यही स्कोर या संख्या बताती है कि कोई व्यक्ति अपने समूह के दूसरे लोगों के मुकाबले कम बुद्धिमान है या ज्यादा। हालांकि बुद्धि की गणना का यह पैमाना अकसर विवादों में भी फिरता रहता है, क्योंकि जहां इस पैमाने के तहत महान वैज्ञानिक आइंस्टीन का आईक्यू 160 और न्यूटन का आईक्यू 190 माना जाता है, वहीं 1898 में न्यूयॉर्क (अमेरिका) में जन्मे विलियम जेम्स का आईक्यू 250 से 300 के बीच माना जाता है। दरअसल, अगर किसी व्यक्ति का आईक्यू 145 से 160 के बीच होता है, तो उसे जीनियस कहा जाता है। लेकिन विलियम जेम्स का आईक्यू तो 250 से 300 के बीच था, फिर उसे किस श्रेणी में रखा जाए? जेम्स में निःसंदेह असाधारणता के कुछ गुण थे। मसलन, 18 माह की आयु में ही उसने न्यूज पेपर पढ़ना शुरू कर दिया था, 9 साल की उम्र में उसने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में दाखिला ले लिया था। माना जाता है कि उसने 40 भाषाओं में मास्टर डिग्री हासिल की थी। लेकिन इन कुछ चमत्कार से लगने वाले व्यक्तिगत गुणों के अलावा जेम्स के नाम कोई ऐसी खोज नहीं है, जिसने दुनिया को बदलकर रख दिया हो, जैसे आइंस्टीन और न्यूटन ने किया। बहरहाल, इस बहस के बावजूद यह भी तय है कि किसी और सटीक पैमाने के ना होने के कारण बुद्धिमत्ता को कोशेंट के पैमाने से तो परखना ही पड़ेगा।

### मानसिक क्षमता के अन्य पैमाने

पिछले कुछ दशकों में अकेला आईक्यू ही किसी की मानसिक क्षमता को परखने का एकमात्र पैमाना नहीं रहा, क्योंकि मानसिक क्षमताओं की भी अलग-अलग परिस्थितियों में अलग-अलग तरह से परख होती है। इसलिए अब अलग-अलग मौकों में बुद्धिमत्ता की परख के लिए विभिन्न पैमाने भी इस्तेमाल में लाए जाते हैं। मसलन, आईक्यू के अलावा ईक्यू यानी इमोशनल कोशेंट। एसक्यू यानी सोशल कोशेंट और अब हाल के दिनों में बुद्धिमत्ता का एक नया पैमाना, जो पूरी दुनिया में काफी चर्चा में है, वह है एक्क्यू यानी एडवर्सिटी कोशेंट।

### इन दिनों चर्चा में है एक्क्यू

एडवर्सिटी कोशेंट का मूल अर्थ, बुरे वक्त में दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है। यानी, कठिन समय में आप किस कुशलता से अपने को संभालते हुए सही निर्णय लेते हैं, किस कुशलता से अपने काम को अंजाम देते हैं? दरअसल, एक्क्यू का अर्थ ऐसे समय पर दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है, जब वाकई बहुत बुरा वक्त हो और सामान्य व्यक्ति को उससे निकलने का कोई उपाय ना सूझे। एडवर्सिटी कोशेंट, इन दिनों खूब चर्चा में है और हाल-फिलहाल में यह किसी इंसान की बौद्धिक परख का सबसे निर्णायक पैमाना माना जाने लगा है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि किसी व्यक्ति में चुनौतियों से निपटने की कितनी कुशलता है, इसकी सबसे अच्छी परख उसके बुरे वक्त पर ही होती है। क्योंकि बुरे वक्त पर ज्यादातर लोग



## आईक्यू-ईक्यू-एसक्यू से भी इंपॉर्टेंट है हमारा एक्क्यू

बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार नहीं कर पाते। इसे इस तरह से समझ लीजिए कि कई बहुत अच्छे और सज्जन लोग भी गुस्से के समय पूरी तरह से अपना आधा खो देते हैं और वह उतनी ही बुरी तरह से लड़ते हैं, जितनी बुरी तरह से आम गैर पढ़े-लिखे लोग लड़ते हैं या दूसरे शब्दों में नासमझ लोग जिस तरह से बुरे समय में व्यवहार करते हैं, वैसा ही व्यवहार कई अच्छे लोग भी अपने बुरे वक्त में करते हैं। इसलिए एक्क्यू की कसौटी पर ऐसे लोगों को बुद्धिमान नहीं माना जा सकता है।

### बुरे दौर से निकलने की क्षमता

एडवर्सिटी कोशेंट, वास्तव में प्रतिकूलता का गुणांक होता है। हर व्यक्ति अपने सामने आई चुनौतियों से निपटने का कोई ना कोई तरीका अपनाता है। जिस व्यक्ति का ऐसी चुनौतियों से निपटने का तरीका सबसे कारगर और मौजूदा परिस्थितियों में सबसे प्रभावी होता है, वास्तव में वही

सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंचकर अगर आप अचानक परेशानियों से घिर गए हैं, चुनौतियों में उलझ गए हैं, तो ऐसे वक्त पर प्रतिकूलता के दौरान दिखाई गई बुद्धिमत्ता ही एकमात्र वह गुण होगा, जिसके जरिए आप इस कठिन समय से बाहर आएं और बुद्धिमत्ता की जिस तरकीब के जरिए आप बुरे वक्त से बाहर निकलेंगे, वह तरकीब ही साबित करेगी कि आपमें प्रतिकूल समय से बाहर निकलने की कितनी क्षमता है?

### सबसे महत्वपूर्ण बन गया एक्क्यू

पिछले कुछ दशकों में अलग-अलग बुद्धिमत्ता पैमाने पर लोगों की प्रतीक्षा को कसने के बाद अब मनोवैज्ञानिक निर्णायक रूप से इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि जिंदगी में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण कठिन समय में दिखाई गई कुशलता या बुरे वक्त की वह बुद्धिमत्ता ही होती है, जिसकी बदलत कोई व्यक्ति अपने बुरे दिनों से बाहर आता है। यह कुशलता कई तरह से व्यक्त होती है। अपने लिए सहायुक्त हासिल करके, आत्म-जागरूकता की ऊंचाईयाँ छूकर, जबदस्त अनुशासन या आत्मसंतुलन का माद्दा दिखाकर, प्रेरणा के सबसे ऊंचे पायदान पर खड़े होकर प्रेरित होने और सामाजिक रूप से हर पैमाने पर कुशल साबित होने से यह बुद्धिमत्ता विजयी कोशल बनकर सामने आती है।

दरअसल, हाल के दशकों में दुनिया में लोगों के पास संपत्ति चाहे जितनी बढ़ी हो, विकास चाहे जिस पैमाने पर पहुंचा हो, लेकिन सचचिद् यह है कि अब से ज्यादा निराशा, तनाव, बेचैनी और पराजयबोध किसी भी दूसरे दौर में नहीं देखा और महसूस गया। इसलिए आज आर्थिक रूप से

और परचेजिंग पावर (क्रयशक्ति) के पैमाने पर भले लोग ज्यादा खुशहाल दिखें, लेकिन मानसिक स्तर पर आज कहीं ज्यादा लोग परेशान हैं और यह मानसिक परेशानी ही है, जो पुराने वक्त के मुकाबले आर्थिक रूप से ज्यादा खुशहाल होने के बावजूद हमें निराशा और तनाव से हमेशा दो-चार रखती है। ऐसी स्थितियों में इन परेशानियों से बाहर आना ही वास्तव में बुद्धिमत्ता की निशानी है। इसलिए आज एडवर्सिटी कोशेंट या कठिन समय से कुशलतापूर्वक बाहर निकलने को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है। \*

### विराट कोहली का एक्क्यू है हाई

कई बार हम कुछ खिलाड़ियों के बारे में यह कह कर करते हैं कि यह खिलाड़ी प्रॉब्लम सॉल्वर या टफ टाइम हीरो है यानी क्राइसिस के समय ही इसकी क्षमताएं निकलकर बाहर आती हैं। जाहिर है, ऐसा खिलाड़ी टीम के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। उदाहरण के लिए हाल में भारत द्वारा जीते गए टी-20 विश्व कप के पूरे टूर्नामेंट में विराट कोहली बहुत अच्छा नहीं खेल पाए थे। लेकिन ज्यादातर एक्सपर्ट यह मानकर चल रहे थे कि फाइनल में विराट कोहली जरूर चलेंगे, उनका बल्ला बोलेगा और एक्सपर्ट यह भी कह रहे थे कि अगर फाइनल में विराट कोहली नहीं चले तो भारत का जीतना मुश्किल होगा। देखा जाए तो सबकुछ ऐसा ही हुआ। फाइनल में विराट कोहली ने 59 गेंदों में शानदार 76 रन बनाए और उन्होंने के रनों की बदलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में 177 रनों का टारगेट दिया। अगर कोहली ने इस निर्णायक मैच में यह बेहतरीन इनिंग ना खेली होती तो भारत का जीतना बहुत मुश्किल था। इससे प्रूफ हो गया कि विराट कोहली का एक्क्यू कितना हाई है!



## लाइफ को बेचैन बना रहे अनलिमिटेड ऑप्शंस

तकनीकी विकास और बेशुमार सुविधाओं ने जीवन को कई मायने में आसान और आरामतलब तो बनाया है। लेकिन इसके साथ ही अनलिमिटेड ऑप्शंस की मरमार, हमारी मानसिक शांति को हमसे छीन रही है, हमें बेचैन बना रही है।

### लाइफस्टाइल

शिखर चंद जैन

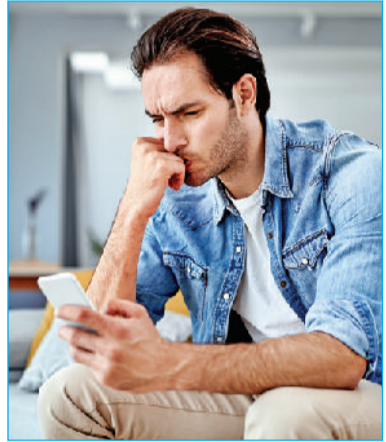
**क**ई वर्किंग यंगस्टर्स अकसर फूड डिलीवरी एप्स पर परसिदा भोजन और रेस्टोरेंट की सर्चिंग के लिए लंबा समय बर्बाद करते और परेशान होते दिखते हैं। बहुत सोच-समझ कर मंगाने के बाद भी वे इस खाने से असंतुष्ट होते दिखते हैं। कई बार तो वे इस बात का निर्णय लेने में काफी वक्त बर्बाद कर देते हैं कि ओटीडी पर कौन-सा शो या मूवी देखी जाए। लेकिन इन्हें हमेशा लगता है कि काफी वक्त और ऊर्जा खर्च करने के बाद उन्होंने जो निर्णय लिया वह बिल्कुल गलत था।

**बेवजह की बेचैनियों से परेशान:** आजकल के कई यंगस्टर्स, दिनभर बेवजह परेशान, हैरान और उलझन में दिखते हैं। उनके चेहरे पर तनाव, झुंझलाहट और व्यग्रता का अंदाजा कोई भी समझदार आसानी से लगा सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इन बेचैनियों में से ज्यादातर बहुत बचकाने कारणों से होती है। ये हालात सिर्फ युवाओं के ही नहीं, इसके शिकार कुछ हद तक अब प्रौढ़ भी होने लगे हैं। अचरजकारी बात यह है कि हम अपनी जिंदगी के महत्वपूर्ण और कठिन निर्णयों को अकसर मामूली समझने लगे हैं। शदी के लिए या फिर जॉब चुनने में लोग ज्यादा वक्त और ऊर्जा भले ना लगाए पर मामूली निर्णयों को जरूरत से ज्यादा तवज्जो देने लगे हैं। फैशन की होड़ और बेकार की जोड़-तोड़ के जंजाल में लोग ऐसे फंसे हैं कि अपनी मानसिक शांति खोते जा रहे हैं।

**वजह है ज्यादा ऑप्शंस:** क्या आपने सोचा है कि इतनी बेचैनियों की वजह क्या है? सबसे बड़ी वजह है, ज्यादा ऑप्शंस की मौजूदगी। हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां सब कुछ बहुतायत में उपलब्ध है। सुविधाएं अंतहीन हैं और बाजार ढेर सारे विकल्पों से भरे पड़े हैं। यही अधिकता, हमारी मानसिक अशांति, चिंता, दुख, बेचैनी और अवसाद की सबसे बड़ी वजह है।

असल में आज की तारीख में हमें सबसे ज्यादा परेशान वह चीज करती है, जिसे हम खरीद नहीं पाए। इंटरनेट पर सर्चिंग हो, आइसक्रीम पालर हो, फिटनेस एप्स हो, मूवी थिएटर हो, साड़ी की दुकान हो या टूथब्रश, साबुन, शैंपू जैसी रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजें, हमारे सामने इतने विकल्प होते हैं कि हम कंप्यूटर और बेचैन हो जाते हैं कि आखिर इनमें से कौन-सा चुनूं। कई बार हालत यह हो जाती है कि जो टीवी हमने लिया उससे अलग दूसरे के पास है और उसमें कोई एकाध फीचर भी अलग है, जो भले ही काम का नहीं है तो भी हम बेचैन हो जाते हैं।

**पहले हम रहते थे सुकून से:** आज से कोई 15-20 साल पहले हर चीज के सीमित विकल्प होते थे। शदी में खाने के आइटम गिनती के होते थे, फिल्में थोक भाव से नहीं आती थीं बल्कि महीने में जो एक आध फिल्म आती थी, वही खूब चलती थी। सामाजिक स्तर पर दिखावा आज जैसा नहीं था। तब हम एक उपभोक्ता के रूप में इतने बेचैन, दुखी और कंप्यूटर बिल्कुल नहीं रहते थे। कमरे में फर्नीचर के नाम पर गढ़वाला बेंड और अलमारी होती थी, जिसमें पूरा परिवार अपने कपड़े रखता था। आइसक्रीम या चॉकलेट की कुछ वेराइटीज होती थीं। कभी-कभी उन्हें खाकर



ही बड़ा आत्मसंतोष होता था। लेकिन अब इन चीजों को चुनने के लिए भी काफी माथा-पच्ची करनी पड़ती है। **ज्यादा ऑप्शंस करते हैं परेशान:** 'एज ऑफ अबेंडेंस' यानी 'बहुतायत के युग का जीवन पर प्रभाव' पर अध्ययन करने वाले सोशल साइंटिस्ट कहते हैं कि विकल्पों की यह बहुतायत सुखी और खुशहाल करने के लिए बिल्कुल भी जरूरी नहीं है। जरूरत से ज्यादा विकल्पों की उपलब्धता, इंसानी दिमाग को पैरालाइज कर सकती है। जिससे अंत में हम वह खरीद लेते हैं, जो हमारे लिए ठीक नहीं होता। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक और सोशल थ्योरी के प्रोफेसर बेरी श्वार्टज ने अपनी पुस्तक 'पैराडॉक्स ऑफ चॉइस' में कुछ ऐसा ही लिखा है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के लॉ स्टूडेंट पेरे डेविस ने 'व्हाट नेटफ्लिक्स टॉट मी अबाउट लाइफ' विषय पर अपने स्पीच में कहा कि ब्राउजिंग की स्वतंत्रता ने यूथ का चैन छीन लिया है। आधे घंटे तक विभिन्न फिल्मों की सर्चिंग और सर्चिंग करने के बाद वे कोई फिल्म नहीं देखते और कंप्यूटर होकर बैठ जाते हैं। आपने देखा होगा कि जिन रेस्टोरेंट में आपको डिशेज के बहुत सारे विकल्प मिल जाते हैं, वहां

निर्णय लेने में काफी देर लग जाती है और तब तक आप की भूख मर जाती है। जबकि सीमित विकल्पों वाली जगह आप ज्यादा अच्छी तरह संतुष्ट होकर भोजन कर सकते हैं। स्मार्टफोन के दर्जनों ऑप्शंस हैं। एप्स के पचासों ऑप्शंस हैं। शॉपिंग के अनगिनत विकल्प हैं। ये ऑप्शंस ही हमें परेशान करते हैं। **टफ बन रहा जीवन:** ज्यादा विकल्पों ने हमारा जीवन कुछ मामलों में आसान भले ही बनाया हो लेकिन हकीकत यह है कि इन्होंने जीवन को पहले से ज्यादा टफ बनाने के साथ-साथ हमारी शारीरिक-मानसिक क्षमता पर जंग लगाने का भी काम किया है। हमें चिढ़न होती है, जब भारी मशकत के बाद चुनी गई वस्तु, आउट ऑफ स्टॉक होने के कारण हमें नहीं मिल पाती जबकि हमारे किसी मित्र को वह मिल जाती है। हमारी सारी शारीरिक-मानसिक ऊर्जा इस बात पर खर्च हो रही है कि हम दूसरे से बेहतर, होशियार और आगे कैसे नजर आएँ बजाय अपनी जरूरत पर आधारित अपनी बेहतरी के प्रयास के, हम इन अर्थहीन मसलों में उलझे रहते हैं।

कहने का सार यही है कि शांतिपूर्ण और सुकूनदायक जिंदगी के लिए ज्यादा ऑप्शंस के मोहजाल से बचे रहना जरूरी है। \*

### गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

### नहीं होता जहां कुछ भी



नहीं होता जहां कुछ भी खराबे-खराब होता है उसे सुनाता नहीं कोई जो किस्सा आम होता है तुम्हारी बज्ज में जाने से मेरा कद नहीं बढ़ता मेरे आने से मेरी फिल में तुम्हारा नाम होता है अजब दस्तूर है दीपक तले पलता है अंधियारा किसी की जान जाती है किसी का काम होता है लकीकत आ ही जाती है निगाहों में जगाने की बुराई का लम्हा से बुरा प्रज्ञाम होता है फकत इज्जत की खातिर बोली जाती हैं कई बातें वहां मुद्द नहीं रहता जहां कुराम होता है भले बनकर रखा करते हैं गीठा बोलने वाले खरा करता है, जो अक्रसर वही बदनाम होता है उन्हें अफ़सोस लेना जो कभी मुझसे न मिल पाए मेरी हर बात वे 'नवरंग' कोई पैगाम होता है

### कहानी / सरस्वती रमेश

**आ**ज डॉक्टर गुप्ता की क्लीनिक में बहुत भीड़ थी। सामने बेंच पर एक महिला बैठी हुई थी। उसकी साड़ी एकदम मलिन थी, हाथ-पैर धूल में नहाए। लग रहा था कोई मजदूर है। कहीं से काम करके लौटी है। उसकी गोद में एक चार-पांच साल का बच्चा था। बच्चा एकदम सुस्त पड़ा था। डॉक्टर गुप्ता ने बच्चे की नाड़ी देखी। आंखों की पुतलियां जांचकर बोले, 'दस्त से शरीर में पानी की कमी हो गई है। ग्लूकोज चढ़ाना पड़ेगा।' डॉक्टर की बात सुनकर महिला सहम-सी गई। एक पल ठिठक कर उसने सक्चाते हुए पूछा, 'कितने पैसे लगेंगे डॉक्टर साहब?' 'दो सौ रुपए ग्लूकोज के और दवाइयों के अलग से।' डॉक्टर ने बताया, 'हमारे पास तो बस सौ रुपए हैं।' महिला मुट्ठी में रुपए दबाए हुई थी। उसके चेहरे पर चिंता की लकीरें उभर आई थीं। 'तो और पैसे घर से ले आओ।' डॉक्टर सख्त लहजे में बोला और दूसरा मरीज देखने लगा। 'तुम बालमुकुंद की घरवाली हो ना?' डॉक्टर की बात सुनकर पास खड़े एक व्यक्ति ने महिला से पूछा। उसने सिर हिला कर हामी भरी और उस व्यक्ति से पूछा, 'आप कौन?' 'मेरा नाम विमल है। मैं बालमुकुंद को जानता हूँ। वह राज मिस्त्री है ना। मेरा घर उसी ने बनाया था। आजकल कहां है वह, दिखाई नहीं देता?' विमल ने पूछा। 'उन्के पैर पर लेंटर गिर पड़ा था। पैर की हड्डी कई जगह से टूट गई है। दो महीने से खाट पर पड़े हैं।' महिला बहुत ही दुखी स्वर में बोली, 'अरे! यह तो बड़े तकलीफ की बात है। ये बच्चा तुम्हारा है?' विमल ने बच्चे की ओर इशारा करके पूछा। 'हां, ये हमारा बेटा है। इसकी तबीयत बहुत खराब है।' कहकर महिला रुआंसी हो गई।

सबसे बड़ा है प्रेम, दया-करुणा का इसानी रिश्ता। बरसों पहले इसी रिश्ते का बीज बोया था विमल ने। उन्हें क्या पता था कि अनजाने में बोए इस बीज के अंकुर एक दिन तब फूटेंगे, जब उन्हें इसकी सबसे अधिक जरूरत होगी। मानवीय रिश्तों पर आधारित दिल को छूने वाली कहानी।

## करुणा का बीज

विमल को महिला की स्थिति पर बहुत दया आई। वह जानते हैं, बालमुकुंद अच्छा मिस्त्री ही नहीं, एक अच्छा इंसान भी है। हाथ में हुनर है लेकिन बेचारा आजकल खाट पर पड़ा है। विमल समझ गए, घर चलाने के लिए जरूर बालमुकुंद की घरवाली लेबर का काम कर रही है। विमल ने डॉक्टर से कहा, 'आप इस बच्चे का इलाज करिए, पैसे मैं दूंगा।' डॉक्टर बच्चे का इलाज करने के लिए राजी हो गया। विमल डॉक्टर के बताए पैसे देकर चले गए। इस बात को बीस वर्षों बीत गए। विमल अब बूढ़े हो चुके थे। उनके कोई संतान नहीं थी। वह पत्नी के साथ रहते थे। वृद्धावस्था का एकमात्र सहारा उनकी छोटी सी पेंशन थी। लेकिन दोनों बुढ़ापे के रोगों से परेशान रहते थे। पेंशन उनकी दवाइयों और घर खर्च के लिए काफी नहीं थी। एक दिन विमल मेडिकल स्टोर से दवाइयां खरीद रहे थे, तभी वही मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले एक युवा पर उनकी नजर ठहर गई। बिल्कुल बालमुकुंद के जैसी कद काठी, नयन-नक्श भी वही। विमल ने उस युवक से पूछ ही लिया, 'तुम बालमुकुंद के बेटे हो?' 'हां, अंकल, आप कौन हैं?' उस युवक ने पूछा। विमल ने बताया, 'मैं तुम्हारे पिता को जानता हूँ। उन्होंने बरसों पहले मेरा घर बनाया था। मेरा नाम विमल है।' 'आप वही विमल अंकल हैं, जिन्होंने बचपन में एक बच्चे

का इलाज करवाया था?' एक क्षण विचारमग्न होने के बाद विमल ने मुस्कुराते हुए हां में सिर हिला दिया। युवक हंसते हुए बोला, 'मैं वही बच्चा हूँ, कृष्णा। बालमुकुंद जी का बेटा।' 'अरे! तुम तो बहुत बड़े हो गए।' विमल को ध्यान से ऊपर से लेकर नीचे तक देखा। कृष्णा बहुत भावुक हो गया, बोला, 'मां-पिताजी अब नहीं रहे। मां बताया करती थीं कि उस समय मैं आपकी वजह से जीवित बच पाया था। पिताजी आपको बहुत नेक इंसान मानते थे। अंकल आपको क्या चाहिए मैं बताइए?' विमल हड़बड़ा गए। अपने थैले से दवाई की पर्ची निकालकर बोले, 'बेटा, ये दवाइयां दे दो।' कृष्णा ने पर्ची देखकर दवाइयां निकाल दीं। साथ में 570 रुपए का बिल पकड़ा दिया। विमल अपनी दायीं-बायीं, ऊपर नीचे की सारी जेबें टटोल कर पैसे निकालने लगे, लेकिन सारे पैसे निकालने के बाद भी पैसे पूरे नहीं पड़े। कृष्णा को यह बात समझते देर ना लगी। वह विमल से बोला, 'अंकल, कोई



बात नहीं। आप दवाइयां ले जाइए। पैसे मैं भर दूंगा।' 'अरे नहीं बेटा, मैं दवाइयां बाद में ले जाऊंगा।' विमल झेंप रहे थे। कृष्णा ने जबदस्ती विमल को दवाइयां पकड़ा दीं। साथ में अपना मोबाइल नंबर देते हुए बोला, 'अंकल, आपको जब भी किसी दवाई की जरूरत पड़े, आप मुझे फोन कर दीजिएगा। यहां आने की आपकी जरूरत नहीं है। और ना आप पैसे की चिंता करना। मैं हूँ ना, आपके बेटे के समान हूँ। आपके घर दवा पहुंचा दूंगा।' यह सुनकर विमल की आंखें भर आईं। बीस साल पहले अनजाने ही एक रिश्ते का बीज पड़ गया था। अब वह अंकुरित होकर बाहर झांक रहा था, पल्लवित-पुष्पित होने के लिए। \*



बारिश के मौसम में केरल के विभिन्न इलाकों में आयोजित होने वाली सर्प नौका दौड़, अपने अनोखेपन के कारण विश्वविख्यात है। इस सांस्कृतिक आयोजन में गीत-संगीत की मधुरता के साथ ही खेल का रोमांच भी शामिल होता है। इसे देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इसकी विशिष्टताओं पर एक नजर।

## अनोखी-मनोहारी केरल की नौका दौड़

कल्चरल इवेंट / धीरज बसाक

अपने देश के दक्षिणी राज्य केरल में मानसून शुरू होते ही, मनोहारी सर्प नौका दौड़ के आयोजन शुरू हो जाते हैं। इस साल पिछले महीने 22 जून 2024 से उसका आगाज हो चुका है और अब यह सितंबर 2024 तक पूरे केरल में अनेक जगहों पर भव्यता के साथ संपन्न होती रहेगी। इन्हें देखने के लिए यहां देश-विदेश के लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

### गीत-संगीत-खेल की जुगलबंदी

'चुंडनवल्लम' या 'स्नेक बोट' वास्तव में फुंफकारते सांप सी दिखने वाली एक लंबी पारंपरिक डोंगी शैली की नाव होती है, जो अमूमन 100 से 120 फीट तक लंबी होती है। इन नौकाओं पर 4 नाविक-गायकों के समूह से लेकर 100-125 नाविक-गायक तक सवार हो सकते हैं। नौका दौड़ के दौरान, नाविक नदी या बड़ी-बड़ी झील में बहुत तेज गति से नाव भागते हैं। इस दौरान उन नावों पर सवार गायक और नाविक, केरल के पारंपरिक वाद्ययंत्रों की संगत में 'वंचिपट्टु' यानी सामूहिक लय वाला नौका गीत गाते हैं। यह गायन नाविकों का उत्साह बढ़ाने के लिए होता है। इस नौका दौड़ में गायक और नाविक अक्सर एक ही होते हैं, इसलिए कोई नाविक, नाव चलाते (खेते हुए) हुए अगर महसूस करता है कि उसकी तरफ का गीत-संगीत कमजोर हो रहा है, तो वह कोई वाद्य बजाने लगता है। इसी तरह जरूरत पड़ने पर कोई कलाकार गाना या बजाना छोड़कर, चप्पू थामकर नाव चला सकता है, ताकि प्रतिद्वंद्वी नाव से उसकी नाव पीछे ना रहे। इस दौरान गीत-संगीत और खेल की जुगलबंदी देखते ही बनती है।

### सदियों पुरानी परंपरा

केरल में सर्पिल नौका दौड़ के आयोजन की सदियों पुरानी परंपरा है।



माना जाता है कि करीब 400 सालों से केरल में स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जा रहा है। इसके शुरू होने के पीछे एक प्रसिद्ध किंवदंती यह है कि प्राचीनकाल में विभिन्न रियासतों के राजा, एलेपी (अलपुझा) और उसके आस-पास के इलाकों के जलमयों का इस्तेमाल, एक-दूसरे के विरुद्ध लड़ने के लिए करते थे। इन जलयुद्धों के दौरान वे एक-दूसरे पर भारी पड़ने के लिए सटीक हल्की और पानी की तीव्रता से काटने वाली डोंगीनुमा नावों का इस्तेमाल किया करते थे, जिनका अगला सिरा फुंफकारते सांप के फन जैसा बनाया जाता था और इसे खूबकर दर्शाने के लिए इस

### उत्साह से हिस्सा लेते हैं स्थानीय लोग

लहराते ताड़ के पेड़ों, नदियों, झीलों, आवासीय परिसरों के पीछे शांत बैंक वाटर्स और इस तरह की विविध जलवायु, जो पूरे केरल में दूर और बिखरी हुई हैं, उन सबसे मानसून के आते ही सर्प नौका दौड़ की रौनक और उत्साह नजर आने लगता है। अपनी सांस्कृतिक आयोजन की धरोहर को संजोने के लिए स्थानीय लोग पूरे उत्साह-उमंग से हिस्सा लेते हैं। ट्रेडर का अनेक गांव के निवासी इस मौके पर अपनी शक्ति और संगीत परंपरा में दक्षता साबित करने के लिए अपनी-अपनी नावों के साथ इस सर्प नौका दौड़ में शामिल होते हैं और इससे बहुत गर्व महसूस करते हैं। मानसून के आते ही पूरे केरल में स्नेक बोट रेस की मस्ती और धूम छा जाती है। पिछले कुछ दशकों से इस मस्ती और उत्सव का हिस्सा बनने के लिए देश के विभिन्न कोने सहित विदेश से भी लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

लाल, काले और गेरुए रंग से रंगते थे। धीरे-धीरे ये जलयुद्ध तो खत्म हो गए, लेकिन बेहतरीन नाव वास्तुकारों के द्वारा बनाई गई स्नेक बोट बची रहीं, जिनके चलते इस आधुनिक स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जाने लगा। इसके जरिए लोगों ने सालों में विकसित हुई इस कुशलता की परंपरा को बरकरार रखा और रेस के जरिए हार-जीत के रोमांच को भी इसमें शामिल कर लिया। इस तरह धीरे-धीरे हर साल मानसून के महीनों में जून के अंतिम या जुलाई के पहले सप्ताह से लेकर सितंबर तक सर्प नौका दौड़ों और बेहतरीन सांस्कृतिक संगीत के आयोजन की परंपरा शुरू हो गई।

### विशिष्ट होते हैं चार आयोजन

वैसे तो पूरे केरल में जगह-जगह स्थानीय सर्प नौका दौड़ आयोजित होती हैं। लेकिन जिन चार सर्प नौका दौड़ों को केरल सहित पूरी दुनिया में बहुत उत्सुकता से देखा और इंतजार किया जाता है, वे हैं- चंपाकुलम सर्प नौका दौड़, नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस, अरनमुला स्नेक बोट रेस और पियपट्टु जलोत्सव। मानसून की शुरुआत में सबसे पहले चंपाकुलम नौका दौड़ शुरू होती है। यह सबसे प्राचीन और लोकप्रिय स्नेक बोट रेस है। इस स्नेक बोट रेस में, अंबलपुषा के श्रीकृष्ण मंदिर में भगवान की मूर्ति की स्थापना का जश्न मनाया जाता है। इस जश्न के दौरान 25 किलोमीटर की यह सर्प नौका दौड़ भी आयोजित की जाती है, जो एलेपी से शुरू होकर चंपाकुलम नदी में चंगनास्सेरी तक जाती है। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक उमड़ते हैं। इसके अलावा नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस का आरंभ 1952 में हुआ, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पुनर्मदा झील में आयोजित इस रेस को देखने आए थे। तभी से यह नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस आयोजित की जा रही है। तीसरी महशूर स्नेक बोट रेस अरनमुला की है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की दो दिवसीय धार्मिक उत्सव की परंपरा शामिल है। यह त्रिवेंद्रम से 116 किलोमीटर दूर आयोजित होती है। चौथी स्नेक बोट रेस, पियपट्टु जलोत्सव है। यह भी एलेपी से 35 किलोमीटर दूर संपन्न किया जाता है। इस तरह मानसून के दौरान पूरे केरल में चारों तरफ स्नेक बोट रेस का रोमांच दिखाई पड़ता है। \*



### मनी गैटर्स शैलेन्द्र सिंह

क्रेडिट स्कोर तीन अंकों की एक ऐसी संख्या है, जो आज की तारीख में हमारे फाइनेंसियल स्टेटस और क्रेडेबिलिटी का पैमाना बन चुका है। अगर आप क्रेडिट कार्ड या लोन लेना चाहते हैं तो क्रेडिट स्कोर के बारे में सब कुछ पता होना चाहिए।



## फाइनेंसियल क्रेडेबिलिटी का क्राइटेरिया है क्रेडिट स्कोर

आज की तारीख में आप चाहे निम्न मध्यवर्ग के हों, मध्यवर्ग के हों या उच्च मध्यवर्ग के। किसी भी वर्ग के हों, लेकिन बिना बाजार से लोन लिए प्रायः जिंदगी सहजता या कर्ज सही सुख-सुविधाओं से नहीं चलती। आज जिंदगी का चक्र कुछ इस तरह का हो गया है कि लोन के दरवाजे से होकर गुजरना ही पड़ता है। चाहे बच्चों को पढ़ाना हो, चाहे घर बनाना हो, चाहे सोशल स्टेटस के लिए कार खरीदनी हो, घर सजाना हो, बिजनेस करना हो या कुछ भी ऐसा काम, जिसमें एक ठीक-ठाक पूंजी की जरूरत होती है, वह पूंजी अब हमें आसानी से लोन के जरिए महज कुछ शर्तों पर उपलब्ध हो जाती है। लेकिन यह सुविधा उन्हीं के लिए बहुत सहज रूप से उपलब्ध है, जिनका क्रेडिट स्कोर अच्छा होता है।

**गुड क्रेडिट स्कोर के फायदे:** बैंक और वित्तीय कंपनियों की नजर में जो अच्छे उधार लेने वाले हैं यानी उधार लेने के बाद समय पर किस्त चुकाते हैं, बिना मतलब की कोई बाधा नहीं खड़ी करते, लोन चुकाने में आना-कानी नहीं करते, जल्दी से जल्दी कर्ज चुकाने की कोशिश में लगे रहते हैं। बैंकों और वित्तीय संस्थानों की नजर में ऐसे लोग अच्छे सिबिल स्कोर या बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले और ईमानदार कर्ज लेने वाले होते हैं। ऐसे ही लोगों को बैंक और वित्तीय संस्थान बार-बार कर्ज देना चाहते हैं।

**क्या है गुड-बैड क्रेडिट स्कोर:** भारत में चार क्रेडिट ब्यूरो मिलकर किसी का क्रेडिट स्कोर तैयार करते हैं। इनमें एक है इक्विफिक्स, ट्रांसयूनियन सिबिल, एक्सपीरियन और सीआरआईएफ हाईमार्क। ये चार ब्यूरो किसी भी व्यक्ति के पुनर्भूगतान, लिए गए लोन की उपयोगिता, कर्ज लेने के पैटर्न और कर्ज लेने की हिस्ट्री को देखकर उसका क्रेडिट स्कोर तय करते हैं। वास्तव में क्रेडिट स्कोर 300 से 900 अंकों के

बीच की संख्या होती है। इस संख्या में अगर आपका क्रेडिट स्कोर 700 है तो यह अच्छा माना जाता है। 700 से ऊपर है तो और अच्छा माना जाता है और अगर 800 या उसके पाए है तब तो बहुत अच्छा माना जाता है। आपका जितना अच्छा क्रेडिट स्कोर होगा, बैंक आपको उतने ही कम ब्याज दर पर कर्ज देने का प्रस्ताव देंगे और जितना कम क्रेडिट स्कोर होगा, आपको उतनी ही ज्यादा ब्याज दरों पर कर्ज मिलेगा। अगर आपका क्रेडिट स्कोर उच्चतम श्रेणी यानी 760 से 850 के बीच में है तो आपसे लोन देने वाला अधिकतम 3.307 प्रतिशत ब्याज ले सकता है। मतलब यह कि अगर बीआईई के रेपो रेट से आपको 3.307 प्रतिशत और ब्याज देनी होगी। मान के लिए बहुत सहज रूप से उपलब्ध है, जिनका क्रेडिट स्कोर अच्छा होता है।

**गुड क्रेडिट स्कोर के फायदे:** बैंक और वित्तीय कंपनियों की नजर में जो अच्छे उधार लेने वाले हैं यानी उधार लेने के बाद समय पर किस्त चुकाते हैं, बिना मतलब की कोई बाधा नहीं खड़ी करते, लोन चुकाने में आना-कानी नहीं करते, जल्दी से जल्दी कर्ज चुकाने की कोशिश में लगे रहते हैं। बैंकों और वित्तीय संस्थानों की नजर में ऐसे लोग अच्छे सिबिल स्कोर या बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले और ईमानदार कर्ज लेने वाले होते हैं। ऐसे ही लोगों को बैंक और वित्तीय संस्थान बार-बार कर्ज देना चाहते हैं।

**क्या है गुड-बैड क्रेडिट स्कोर:** भारत में चार क्रेडिट ब्यूरो मिलकर किसी का क्रेडिट स्कोर तैयार करते हैं। इनमें एक है इक्विफिक्स, ट्रांसयूनियन सिबिल, एक्सपीरियन और सीआरआईएफ हाईमार्क। ये चार ब्यूरो किसी भी व्यक्ति के पुनर्भूगतान, लिए गए लोन की उपयोगिता, कर्ज लेने के पैटर्न और कर्ज लेने की हिस्ट्री को देखकर उसका क्रेडिट स्कोर तय करते हैं। वास्तव में क्रेडिट स्कोर 300 से 900 अंकों के बीच की संख्या होती है। इस संख्या में अगर आपका क्रेडिट स्कोर 700 है तो यह अच्छा माना जाता है। 700 से ऊपर है तो और अच्छा माना जाता है और अगर 800 या उसके पाए है तब तो बहुत अच्छा माना जाता है। आपका जितना अच्छा क्रेडिट स्कोर होगा, बैंक आपको उतने ही कम ब्याज दर पर कर्ज देने का प्रस्ताव देंगे और जितना कम क्रेडिट स्कोर होगा, आपको उतनी ही ज्यादा ब्याज दरों पर कर्ज मिलेगा। अगर आपका क्रेडिट स्कोर उच्चतम श्रेणी यानी 760 से 850 के बीच में है तो आपसे लोन देने वाला अधिकतम 3.307 प्रतिशत ब्याज ले सकता है। मतलब यह कि अगर बीआईई के रेपो रेट से आपको 3.307 प्रतिशत और ब्याज देनी होगी। मान के लिए बहुत सहज रूप से उपलब्ध है, जिनका क्रेडिट स्कोर अच्छा होता है।



व्लासिक पोप डोर

### मेल जोन / विवेक कुमार

एक सुटेबल-परफेक्ट हेयर स्टाइल, आपको आपकी वास्तविक उम्र से 10 साल कम का दिखा सकती है। पुरुषों के लिए ऐसे ही पांच हेयर स्टाइल के बारे में जानिए।

## यंग लुक के ट्रेंडी हेयरस्टाइल्स

भी इस स्टाइल के दीवाने थे। बाद में एक लंबे समय तक यह संगीतकारों, विशेषकर युवा संगीतकारों का स्टाइल स्टेटमेंट बन गया। इससे बाल पॉलिश किए गए लगते हैं।

**व्लासिक पोप डोर:** यूरोप में यह 1990 में और भारत में 2010 के बाद काफी लोकप्रिय हुआ। हालांकि भारत के पड़ोस, नेपाल में यह हेयर स्टाइल भारत से करीब एक दशक पहले आ गया था। किनारों और पीछे से छोटे ऊपर के बाल लंबे अंडाकार सिर में तो यह बहुत ही खास लगते हैं। अगर आपके बाल घुंघुराले हैं तो भी यह स्टाइल आपके लिए खास है, लेकिन अगर सीधे को लहरदार हैं तो भी यह स्टाइल आप पर सूट करेगा। इसमें कंधी करना या यूं ही ढीला और स्टाइलिश छोड़ देना सब चलता है।

**क्रू कट:** पुरुषों के हेयरस्टाइल में इस स्टाइल का भी जवाब नहीं। यह वास्तव में मॉल्टी डायमेंशनल स्टाइल है, क्योंकि यह बूढ़ों को भी पसंद है और जवानों को भी, साथ ही टीनएजर भी इसे आजमाते हैं। इसके चलते सिर के पीछे के बाल बेहद छोटे होते हैं, साइड में छोटे होते हैं, सिर्फ खोपड़ी के 20 फीसदी हिस्से में ही बाल होते हैं। मानो हर जगह से बाल कटने के बाद यह स्टाइल पूरी कर दी गई हो। आजकल ये कैजुअल हेयरस्टाइल है, जो महिलाओं को काफी पसंद है। इसलिए भी पुरुष इसे कैरी करते हैं। क्रू कट के साथ यही अच्छी बात है कि इसे एक अच्छी जाँब करने वाला भी कैरी कर सकता है और दिनभर आम लोगों के बीच घूमने वाला व्यक्ति भी।

**आर्मी कट:** आर्मी कट को बज कट भी कहते हैं। यह भी बेहद आकर्षक, पुराना और एनर्जेटिक हेयर स्टाइल है। ज्यादातर देशों की सेना अपने जवानों के बालों को लेकर सजग रहती हैं। वह उन्हें बड़े बाल नहीं रखने देतीं, जिससे कि वे बेतरतीब और अस्त-व्यस्त ना दिखें। बज कट बहुत आसान की है। इसे इलेक्ट्रिक क्लिपर्स के साथ प्रॉप किया जाता है और बालों को तेज और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए सैलून की नियमित यात्रा करनी होती है, कम से कम हर एक महीने बाद। \*

अपनी रियल एज से कम का दिखना अधिकतर लोगों की चाहत होती है। ऐसे लुक के लिए आपकी हेयरस्टाइल भी बहुत मायने रखती है। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

**अट्रैक्टिव अंडरकट:** पिछली सदी में 70 का दशक हो, 90 का दशक हो या मौजूदा दशक हो। पुरुषों का यह आकर्षक हेयरस्टाइल 'अंडरकट' बार-बार लौटकर आता है। खासकर थोड़े लंबे पुरुषों में तो यह हेयर कट एक ही शख्स की पर्सनालिटी अलग-अलग एंगल से अलग-अलग दिखाने लगता है। आपको शायद पता ना हो कि यह हेयर स्टाइल 125 साल पुराना है। साल 1900 में पहली बार यह हेयरस्टाइल जर्मनी में कुछ पुरुषों ने अपनाया था, फिर वहां से अमेरिका पहुंचा और देखते ही देखते सारी दुनिया में छा गया। अंडरकट एक एवरग्रीन हेयरकट ऑप्शन है। फुटबॉल प्लेयर डेविड बेकहम से लेकर क्रिकेटर विराट कोहली तक इसे आजमाते रहते हैं।

**व्लासिक क्विफ:** यह भी काफी पुराना हेयरस्टाइल है। इससे पुरुषों के बाल घने दिखते हैं, क्योंकि किनारे छोटे दिखते हैं और बड़े होते रहते हैं या कम से कम इतने कि कंधी किया जा सके। भारतीय क्रिकेट टीम के बैट्समैन सूर्यकुमार यादव अक्सर क्लासिक क्विफ में दिखते हैं। एक जमाने में रिकी पॉइंटिंग और रणवीर सिंह भी यह हेयरस्टाइल अपनाते थे। इसके लिए आपको कुछ हेयर वैक्स की आवश्यकता होती है। दरअसल, क्लासिक क्विफ एक ऐसा हेयर स्टाइल है, जिसने एक जमाने में पश्चिम में 'कल्ट' की हैसियत हासिल कर लिया था। क्योंकि इसे एल्विस प्रेसली जैसे सुपरस्टार कैरी करते थे। एल्विस के साथ रॉक बिली



व्लासिक पोप डोर



व्लासिक पोप डोर

### बॉलीवुड फिल्में

डी.जे.नंदन

कारोबार के लिहाज से बॉलीवुड के लिए साल 2024 की शुरुआत खट्टी-मोटी रही है। इस दौरान कुछ फिल्में तो हिट रहीं लेकिन ज्यादातर अपनी लागत भी नहीं निकाल पाईं।

**जनवरी:** 12 जनवरी 2024 को कैटेरीना कैफ और विजय सेतुपति स्टार फिल्म 'मैरी क्रिसमस', जिसकी लागत 50 करोड़ रुपए थी, फ्लॉप रही। यह महज 18 करोड़ रुपए का ही कलेक्शन कर सकी। करीब यही हाल पंकज त्रिपाठी स्टार फिल्म 'मैं अटल हूँ' का भी रहा। 25 करोड़ रुपए की लागत से बनी यह फिल्म बमुरिश्कल 7 करोड़ रुपए भी नहीं कमा सकी। 'बॉलीवुड मूवी रिज्यूज डॉट कॉम' वेबसाइट के मुताबिक इसकी कमाई कुल 6.4 करोड़ रुपए रही। इस तरह यह फिल्म भी सुपरफ्लॉप रही। 25 जनवरी 2024 को रिलीज हुई रितिक रोशन-दीपिका पादुकोण स्टार फिल्म 'फाइटर' हिट रही। 225 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस फिल्म ने कुल 325 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया।

**फरवरी:** साल का दूसरा महीना फरवरी भी कुछ ऐसा ही रहा। 23 फरवरी 2024 को यामी गौतम और प्रियामणि स्टार फिल्म 'आर्टिकल 370' जिसकी लागत 40 करोड़ रुपए थी, देश में ही इसने 70 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर ली। इस फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 110 करोड़ रुपए रहा। इसी महीने आई फिल्म 'क्रैक' सुपरफ्लॉप साबित हुई। विद्युत जामवाल और जैकलीन फर्नांडिस स्टार फिल्म 'क्रैक' की कांस्ट करीब 80 करोड़ रुपए थी। लेकिन पूरे देश में इसका कलेक्शन 13 करोड़ रुपए भी नहीं हो सका। इससे भी ज्यादा बुरा हाल इस महीने रिलीज कई छोटी-छोटी फिल्मों का रहा। मसलन, भूमि पेंडनेकर और संजय मिश्रा की 'भक्षक', सतीश कौशिक और राज बब्बर की 'मिर्ग', अनुपम खेर और गुरु शंघावा की 'कुछ खट्टा हो जाए', ये सब फिल्में कब आईं और कब चली गईं, किसी को पता ही नहीं चला। हां, इस माह जो एक और फिल्म अच्छी चली, वह शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टार 'तेरी बातों में ऐसा उलझा' रही। इसकी लागत महज 65 करोड़ रुपए थी और वर्ल्डवाइड कलेक्शन 170 करोड़ रुपए से भी ज्यादा रहा।

**मार्च:** अब अगर मार्च 2024 में आई ज्यादातर फिल्में, चाहे वो 'बस्तर: द नक्सल स्टोरी' हो, रवीना टंडन और सतीश कौशिक स्टार 'पटना शुक्ला' हो, देवोलिनी भट्टाचार्य और सोहेला कपूर स्टार 'बंगाल 1947' हो, इन सबका बुरा हाल रहा। इस महीने अपनी लागत निकालने वाली फिल्मों में रणवीर हुड्डा और अंकिता लोखंडे स्टार 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' और कुणाल खेमु डायरेक्टेड 'मडगांव एक्सप्रेस' रही। बाकी सिद्धार्थ मल्होत्रा और दिशा पाटनी स्टार 'योद्धा' भी फ्लॉप रही, जो 55 करोड़ रुपए की लागत में बनी थी लेकिन 35 करोड़ रुपए भी नहीं वसूल कर पाई। इसी महीने रिलीज्ड तब्बू और करीना कपूर

हिंदी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से वर्ष 2024 की पहली छमाही बहुत अच्छी नहीं रही। इस दौरान बिग स्टार्स की फिल्मों तो कई रिलीज हुईं लेकिन उनमें से कुछ ही बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से हिट रहीं। जनवरी से जून तक रिलीज्ड फिल्मों के कलेक्शन पर एक नजर।

## फर्स्ट हाफ ईयर-2024 हिट हुई कम-फ्लॉप हुई ज्यादा



कल्कि 2998 एडी



फाइटर

स्टार 'क्रू' जरूर सफल रही, जो 60 करोड़ रुपए की बजट में बनी और वर्ल्डवाइड करीब 150 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इस तरह देखें तो पहले तीन महीने का रिपोर्ट कार्ड ठीक-ठाक रहा। जनवरी से मार्च 2024 के बीच आधा दर्जन से ज्यादा फिल्मों के बिजनेस से बॉलीवुड के कारोबार को बूम मिला।

**अप्रैल:** अब अगर अप्रैल से जून की बात करें तो कलेक्शन बेहतर होने के बजाय और बदतर हुआ। लोकसभा चुनाव, बोर्ड एग्जाम और आईपीएल के कारण कई सारी फिल्में बिना चर्चा के आईं और आकर चली गईं।

**मैदान**  
मसलन, विद्या बालन और प्रतीक गांधी की 'दो और दो प्यार', श्रेंयस तलपड़े और तनिषा मुखर्जी की 'लव यू शंकर', जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर की 'तेहरान', आयुष शर्मा और सुश्री मिश्रा की 'रुस्तान', मौनी रॉय-तुषार कपूर की 'लव सेक्स और धोखा-2' और राजपाल यादव-जिया मानेक की 'काम चालू आहें' जैसी फिल्मों की कोई खास चर्चा नहीं हुई। हां, इस महीने इतिहास अली डायरेक्टेड, परिणति चोपड़ा-दिलजीत दोसांझ स्टार पंजाबी फिल्म 'अमर

सिंह चमकीला' की जरूर धूम रही। अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ स्टार 'बड़े मियां-छोटे मियां' बुरी तरह फ्लॉप रही। यही हाल अजय देवगन और प्रियामणि स्टार 'मैदान' का भी रहा।

**मई:** बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से मई का हाल और बुरा रहा। इस महीने में प्रतीक गांधी की 'डेंड बीघा जमीन', राजकुमार राव-जान्हवी कपूर की 'मिस्टर एंड मिसेज माही', अनिल कपूर-दिव्या खोसला कुमार की 'सावि: ए ब्लडी हाउस वाइफ', दीपक तिजोरी और अलंकृता सहाय की 'टिप्पसी' भी असफल रहीं। इस महीने राजकुमार राव की 'श्रीकांत', मनोज वाजपेयी की 'भैया जी' और श्रेंयस तलपड़े की 'कर्तम भुगतम' ही ऐसी फिल्में रहीं, जो अपनी लागत निकाल सकीं।

**जून:** जून 2024 की बात करें तो अमिताभ बच्चन और प्रभास स्टार 'कल्कि 2998 एडी' बाहुबली जैसी कल्ट फिल्म साबित हुई। कमाई के लिहाज से भी और दर्शकों को अपनी तरफ खींचने के लिहाज से भी। 'कल्कि' ने महज 7 दिनों में 800 करोड़ रुपए से ज्यादा का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया। इस महीने आई 'पुंज्या' भी कलेक्शन और दर्शकों की पसंदगी के लिहाज से चूँकाई वाली रही। जबकि 'शर्मा जी की बेटी', 'रौतु का राज', 'इश्क-विशक रिबाउंड', 'हमारे बारह', 'मनिहार' और 'लव की अरेंज मैरिज' जैसी फिल्मों में से सिर्फ 'हमारे बारह' ही अपनी लागत निकालने भर की कमाई कर सकी। इस तरह देखा जाए तो मार्च के बाद अप्रैल, मई और जून में बॉलीवुड के कारोबार में पहले तीन महीनों जितनी चमक नहीं रही।

कुल मिलाकर साल 2024 के पहले छह महीनों में कमाई कम, नुकसान ज्यादा हुआ है। लेकिन जिस तरह से 'कल्कि' ने दर्शकों को रोमांचित किया, उससे लगता है कि अगले छह महीने में आने वाली कई बड़ी फिल्में बॉलीवुड के बेहतर बिजनेस की उम्मीदें पूरा करेगी। \*